भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत साप्ताहिक अखबार

जागरूक जनता

बुधवार, जयपुर, 9 जुलाई - 15 जुलाई 2025

आषाढ़, पक्ष-शुक्ल, तिथि-चतुर्दशी, संवत 2082 वर्ष-11, अंक-19, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/- पृष्ठ-8

मुख्यमंत्री का बीकानेर दौरा : गांव-गरीब को सशक्त बनाने का माध्यम बन रहा पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा

राज्य सरकार अंतिम पायदान के व्यक्ति के लिए पूर्ण रूप से समर्पित-मुख्यमंत्री शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश के हर व्यक्ति-हर परिवार को सशक्त और समृद्ध बनाते हुए उनकी सेवा करना हमारी सरकार का सर्वोच्च ध्येय है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा इसी दिशा में हमारा एक ठोस कदम है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार पूरे समर्पण और निष्ठा से काम कर रही है।

शर्मा मंगलवार को बीकानेर में श्रीडूंगरगढ़ के गुसाईसर बड़ा गांव में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल शिविर के अंतर्गत आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान से ही देश-प्रदेश का समग्र विकास संभव है। उनकी इस भावना के अनुरूप राज्य सरकार ने वंचितों को वरीयता देते हुए अपनी नीति एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा इसी रूपरेखा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

शिविर में हो रहे तत्परता से कार्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशभर में 24 जून से 9 जुलाई तक चलने वाले इस पखवाड़े के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में किसान, युवा, महिला एवं मजदूर सहित सभी वर्गों को लाभान्वित किया जा रहा है। इन शिविरों में नामांतरण, बंटवारे, रास्ते के प्रकरण, पशु टीकाकरण, पानी टंकियों की सफाई, लीकेज मरम्मत, बिजली के झूलते तारों का दुरूस्तीकरण जैसे कई जरूरत के काम तत्परता से किए जा रहे हैं। जिनसे आमजन को एक ही स्थान पर सभी सुविधाएं आसानी से मिल रही हैं।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

- »मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
- »सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
- »असाध्य घाव/शुगर के घाव
- »कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
- »अचानक बहरापन (Hearing Loss)
- »डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित | जागरूक जनता www.jagrukjanta.net | बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 फोन : 0141-3587886 | सम्पर्क करें | विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए 9928022718 jagrukjantanews@gmail.com | समाचार प्रकाशित करवाने के लिए 9829329070 jagrukjantanews@gmail.com

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

जागरूक खबरें

कल मनाया जाएगा गुरु पूर्णिमा पर्व

जयपुर @ जागरूक जनता। विद्याधर नगर जगदम्बा कॉलोंनी नया खेडा स्थित श्री मंगलमुखी हनुमान मंदिर आश्रम के उत्तराधिकारी महंत रामानंद दास ने बताया कि गुरुवार को प्रातः मन्दिर परिसर में गुरु पूजन के साथ भंडारा प्रसादी कार्यक्रम किया जाएगा। भाजपा युवा मोर्चा के महामंत्री मुकुल सिंह साँचोरा द्वारा श्रीश्री 1008 श्री महंत योगीराज रघुवीर दास महाराज का स्वागत सम्मान करेंगे।

आरयूएचएस में शुरू हुई पोस्टमार्टम सुविधा

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में आरयूएचएस अस्पताल में लगातार विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं सहित अन्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है ताकि सवाई मानसिंह अस्पताल पर भार कम हो तथा आमजन को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक और बेहतर विकल्प मिल सके। आरयूएचएस अस्पताल में विभिन्न सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में अब पोस्टमार्टम सेवा भी प्रारंभ कर दी गई है। साथ ही ये सभी रिपोर्ट मेडलिपार पोर्टल पर ऑनलाइन तैयार होकर समय पर पुलिस थाने तथा न्यायालय में ऑनलाइन ही सबमिट होगी। इससे रिपोर्ट समय पर दाखिल होगी और रिपोर्ट की गोपनीयता भी बनी रहेगी।

जयपुर में औद्योगिक विकास एवं निवेश प्रोत्साहन के लिए हों हर संभव प्रयास- जिला कलक्टर

जयपुर @ जागरूक जनता। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को एक जिला एक उत्पाद नीति 2024, एमएसएमई नीति 2024, राजस्थान निवेश प्रोत्साहन नीति 2024 एवं क्लस्टर विकास योजना की प्रगति समीक्षा हेतु जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र सोनी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को जिले में निवेश प्रोत्साहन एवं औद्योगिक विकास के लिए हर संभव प्रयास सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने बैठक में योजनाओं का निचले स्तर तक अधिकतम प्रचार-प्रसार करने एवं योग्य उद्यमियों एवं समूहों को योजना का सीधा लाभ मिल दिलवाने के निर्देश दिये। बैठक जिले में अब तक की प्रगति, प्राप्त आवेदनों, लाभांवित इकाइयों, और प्रस्तावित क्लस्टर गतिविधियों की समीक्षा की गई। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने रीको औद्योगिक क्षेत्रों के प्रभारी अधिकारियों को क्षेत्रीय इकाइयों से संपर्क कर एक जिला एक उत्पाद, एमएसएमई, राजस्थान निर्यात प्रोत्साहन नीति और क्लस्टर विकास योजना के लाभों से अवगत कराएं एवं योग्य उद्यमियों की पहचान कर उन्हें आवेदन हेतु प्रेरित करने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर संचालित रास्ता खोलो अभियान बना मिसाल

दूर होती दूरियां, जयपुर में राहत 1300 पार

जयपुर जिले में खुलवाए गए 1 हजार 310 रास्ते, लाखों ग्रामीणों की राहें हुई आसान

फागी में सर्वाधिक 118 रास्ते खुलवाए, मौजमाबाद में प्रशासन ने खुलवाए 96 रास्ते

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में जयपुर जिले में संचालित रास्ता खालो अभियान अब ग्रामीणों एवं किसानों के लिए राहत का दूसरा नाम बन गया है। 8 महीने से भी कम समय में जयपुर जिले में बरसों से बंद एक हजार 310 रास्ते खुलवाकर लाखों ग्रामीणों की खेतों एवं गांवों की राह आसान की है। जयपुर जिले में रास्ता खोलो अभियान के सफल क्रियान्वयन एवं अधिक से अधिक आमजन को लाभांवित करने के लिए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं अभियान की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। अभियान के तहत रास्ते खुलवाने के मामले में फागी अव्वल है जहां सर्वाधिक 118 रास्ते खुलवाए गए हैं तो वहीं, मौजमाबाद में प्रशासन ने 96 रास्ते खुलवा कर ग्रामीणों को राहत प्रदान की है।

50 सालों से अतिक्रमण का दंश झेल रही राह हुई सुगम

रास्ता खोलो अभियान जिले में सुशासन की परिकल्पना को किस तरह साकार कर रहा है इसकी बानगी देखने को मिली फागी उपखण्ड के लदाना ग्राम में। जहां आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल शिविर में ग्रामीणों ने मुख्य आबादी से गांव के श्मशान घाट को जाने वाले रास्ते को अतिक्रमण मुक्त करवाने के लिए ज्ञापन सौंपा। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों की अनुपालना में ज्ञापन पर त्वरित कार्यवाही को अंजाम देते हुए उपखण्ड अधिकारी राकेश कुमार के नेतृत्व में प्रशासन की टीम ने मौका देखा और विगत 50 वर्षों से अतिक्रमण का दंश झेल रहे रास्ते को महज 3 दिनों में सहमति के आधार पर ना केवल अतिक्रमण मुक्त किया बल्कि इस रास्ते पर सीसी रोड एवं नाली का निमार्ण भी करवा दिया। प्रशासन की इस त्वरित कार्यवाही एवं संवेदनशील पहल से 4 फीट का तंग रास्ता अब 12 फीट की सुगम राह में तब्दील हो गई है जिससे गांव के हजारों आमजन को राहत मिली है।

रास्ता खोलो अभियान से बदल रही तस्वीर

अभियान के नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं अभियान की नोडल अधिकारी देवेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में प्रत्येक तहसील में हर सप्ताह 3 रास्ते खुलवाकर लाखों ग्रामीणों को राहत प्रदान की जा रही है। रास्ता खोलो अभियान के तहत जिला प्रशासन ने समझाइश एवं सहमति से गांवों, खेतों और ढाणियों के बरसों से बंद पड़े एक हजार 310 रास्ते खुलवाए गए हैं।

विद्याधर नगर में 230 छात्राओं के लिए बना 5 करोड़ का कॉलेज भवन

बेटियों को मिलेगी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समान अवसर-दीया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में महज 230 छात्रों वाले राजकीय कन्या महाविद्यालय को अपना भवन मिल गया। इस पर करीब 5 करोड़ की लागत आई है। इस कॉलेज भवन के पहले चरण का लोकार्पण दोनों उपमुख्यमंत्रियों दीयाकुमारी व प्रेमचंद बैरवा ने किया। अब इस महाविद्यालय के भवन विस्तार पर करीब 5.42 करोड़ रुपए और खर्च किए जाएंगे।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के विधानसभा क्षेत्र विद्याधर नगर में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से राजकीय कन्या महाविद्यालय के भवन की शुरुआत की गई। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि बीते 5 साल में विकास कार्य पर ब्रेक लग गया था, लेकिन बीजेपी के डेढ़ साल के शासनकाल में विकास कार्यों को गति मिली है। आगे भी अच्छे और बड़े काम पूरे प्रदेश भर में होंगे। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समान अवसर देना सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। ये महाविद्यालय भवन इसी दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि ये एक ऐसा सपना था, जो यहां की जनता सोचती थी कि कभी पूरा होगा भी या नहीं, लेकिन ये डेढ़ साल में ही बिल्डिंग बन गई, यहां करीब 230 एडमिशन भी हो गए।

दीया कुमारी ने कहा कि सभी बच्चों में उत्साह है कि यहां कॉलेज खुल गया है। अन्यथा यह समस्या रहती थी कि पढ़ाई के लिए दूर जाना पड़ता था। उस समस्या का समाधान निकल चुका है। उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने भी इसे सीरियस लेकर बहुत जल्द काम शुरू करवाया और आज इसका लोकार्पण भी हो गया। वहीं दीया कुमारी ने बताया कि अलग-अलग डिपार्टमेंट रिव्यू भी कर रहे हैं। इसके माध्यम से यदि किसी भी प्रोजेक्ट में कोई भी तकनीकी समस्या आ रही है तो उसका समाधान हाथों-हाथ निकाला जा सकता है। काम तय समय सीमा पर हो सकेगा।

बैरवा ने की दीयाकुमारी की तारीफ

उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि प्रधानमंत्री का सपना है 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'। उस सपने को साकार करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा नए कॉलेज खोल रहे हैं। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी बेटियों को आगे बढ़ाने में जुटी हुई है। उनके प्रयासों से यहां कॉलेज बना है। इससे निश्चित रूप से शिक्षा का द्वार बेटियों के लिए खुला है। यहां बेटियों को अच्छी शिक्षा मिलेगी। वहीं इस दौरान राजधानी के सबसे पुराने सरकारी कॉलेज राजकीय कॉलेज जयपुर के भवन को लेकर उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी युवाओं को अच्छी शिक्षा देने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। उनके भवन के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। निश्चित रूप से आने वाले समय में उनकी भी व्यवस्था की जाएगी। कार्यक्रम में मौजूद रही जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि इस कॉलेज के खुलने से छात्राओं का ड्रॉप आउट कम होगा। आसपास के क्षेत्र की बच्चियां, जिन्होंने दूर जाने के कारण पढ़ाई छोड़ दी थी, वो यहां अध्ययन कर सकेंगी और अपने भविष्य की इबारत गढ़ सकेंगी।

6 परिवारों के 30 व्यक्तियों में वर्षो पुराना भूमि विवाद मिनिटों में हल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा गरीबों के कल्याण के लिए चलाए जा रहे पण्डित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाडा 2025 के तहत तहसील स्तर पर आयोजित फॉलोअप शिविर में सुन्दरा पुत्र जुवारा जाति मीणा व जगदीश, नाहरा, बजरंग तथा सुरा पुत्र रामजीवण निवासी रतनपुरा द्वारा उपखण्ड अधिकारी फागी राकेश कुमार व तहसीलदार फागी रवि शेखर चौधरी के समक्ष प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर अवगत करवाया की उनके मध्य खेतों व कुंए पर जाने वाले रास्ता संबंधी विवाद है। भूमि विभाजन नहीं होने के कारण प्रार्थीगण अपने हिस्से की भूमि का सदुपयोग नहीं कर पा रहे हैं। आपसी विवाद के कारण प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है एवं पुलिस थाना में भी मुकदमा दर्ज है। उपखण्ड अधिकारी द्वारा प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए परिवादियों के बीच आपसी समझाईश की गई। परिवादियों द्वारा उपखण्ड अधिकारी की समझाईश पर न्यायालय में दर्ज प्रकरण जिसमें कुल 19 बीघा जमीन 10 खसरे एवं 6 परिवारों के 30 व्यक्तियों के बीच चल रहा विवाद आपसी सहमति से खत्म होने पर आपसी सहमति से विभाजन के कुर्रेजात मौके पर ही तैयार किये गये। वर्षो से चल रहे विवाद मिनिटों मे खत्म होने एवं कुर्रेजात तैयार होने तथा पुलिस थानें में दर्ज मुकदमा वापस होने पर परिवादियों के चेहरे पर खुशी की लहर छा गई। परिवादियों ने राज्य सरकार व जिला प्रशासन का पण्डित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाडा के तहत शिविर आयोजित करने पर उनके परिजनों की ओर से कोटि-कोटि धन्यवाद दिया हैं।

12-13 जुलाई को तकनीकी कार्य स्थगित, सभी ट्रेनें यथावत चलेंगी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। रेलवे का नया आदेश। जयपुर मंडल के खातीपुरा स्टेशन के यार्ड में 12 से 13 जुलाई को प्रस्तावित तकनीकी कार्य को स्थगित कर दिया है। रेलवे ने पूर्व में रद्द व आंशिक रद्द ट्रेनों को रीस्टोर कर दिया है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार 13 जुलाई को जयपुर-रेवाड़ी-जयपुर स्पेशल ट्रेन का संचालन रद्द नहीं रहेगा। इसी प्रकार 13 जुलाई को मथुरा-जयपुर सवारी ट्रेन मथुरा से, जयपुर-मथुरा पैसेंजर ट्रेन जयपुर से, आगराफोर्ट-अजमेर एक्सप्रेस आगराफोर्ट से, अजमेर-आगराफोर्ट एक्सप्रेस ट्रेन अजमेर से अपने निर्धारित समय पर संचालित होगी। ऐसे ही, 12 जुलाई को भुज-बरेली, काठगोदाम-जैसलमेर, वाराणसी-साबरमती एक्सप्रेस, वाराणसी सिटी-जोधपुर एक्सप्रेस, प्रयागराज-लालगढ़ एक्सप्रेस, नई दिल्ली-अजमेर शताब्दी एक्सप्रेस व 13 जुलाई को बाड़मेर-जमूतवी एक्सप्रेस ट्रेन निर्धारित रूट से ही संचालित होंगी।

घरेलू श्वान पर घरेलू नौकर ने ही किया हमला

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधर नगर थाना क्षेत्र में अम्बाबाड़ी रूपम एनक्लेव में रहने वाली डॉ. संगीता भवाल ने अपनी घरेलू नौकर मंजू कँवर पर अपने ही पालतू फीमेल श्वान पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। डॉ. भवाल ने थाने में अपने प्रार्थना पत्र में सोयत खुर्द शाहजापुर, मध्यप्रदेश निवासी मंजू कँवर पत्नी गजराज सिंह (42) पर पालतु श्वान को उलटा लटकाकर मारने के जुर्म में रिपोर्ट दर्ज करने की बात कही है। डॉ. भवाल का कहना है कि मेरे पति एनआरआई हैं एक मात्र पुत्र भी विदेश में अध्ययनरत है। मैं अकेली उक्त आवास में निवास करती हूं तथा बनीपार्क में निजी स्कूल का संचालन करती हूं। इस कारण सुरक्षा की दृष्टि से फ्लैट के अंदर बाहर सीसीटीवी कैमरे लगाए हुए हैं जिनका कनेक्शन मेरे मोबाइल और स्कूल के लैपटॉप से किया हुआ है।

उनका कहना है कि मेरी पालतू श्वान कई दिनों से उदास लग रही थी और मंजू के पास जाने से डर रही थी, जिस पर प्रार्थिया ने मंजू से कारण पूछा तो संतोषजनक जवाब नहीं दिया। बीते दिनों मैं स्कूल में अपने उक्त फ्लैट के सीसीटीवी कैमरे का निरीक्षण कर रही थी तो अचानक मेरी पालतू फीमेल श्वान सोफी की चिल्लाने की आवाज सुनाई दी फिर गौर से देखा तो पाया कि मंजू उसके साथ मारपीट कर रही थी। उसे उल्टा लटका रखा था और वह दर्द से कराह रही थी, चिल्ला रही थी। उक्त घटना सीसीटीवी कैमरे के जरिए रिकॉर्ड हुई है। डॉ. भवाल ने मांग की है कि मंजू का कृत्य अपराध की श्रेणी में आता है। अतः रिपोर्ट दर्ज कर मंजू को गिरफ्तार कर अनुसंधान नतीजा न्यायालय में पेश किया जाए।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में ऋतु शोधन कार्यक्रम आयोजित

पंचकर्म विभाग द्वारा निःशुल्क बस्ति कर्म शिविर शुरू

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान मानद विश्वविद्यालय, जयपुर के पंचकर्म विभाग द्वारा वर्षा ऋतु में शरीर की शुद्धि, वात दोषों के शमन एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता की वृद्धि हेतु "ऋतु शोधन कार्यक्रम" के अंतर्गत दिनांक 11 जुलाई 2025 से 19 अगस्त 2025 तक निःशुल्क बस्ति कर्म चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष शिविर का शुभारंभ 08 जुलाई, मंगलवार को संस्थान के कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा एवं आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के सलाहकार कौस्तुभ उपाध्याय ने किया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने बताया कि संस्थान द्वारा आयुर्वेद चिकित्सा की जन-जागरूकता एवं जन-स्वास्थ्य संवर्धन हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन नियमित रूप से किया जाता है। पंचकर्म विभाग द्वारा आयोजित यह बस्ति कर्म शिविर, जनसामान्य को आयुर्वेद चिकित्सा के प्रभावी लाभ प्रदान करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण प्रयास है।

पंचकर्म विभागाध्यक्ष डॉ. गोपेश मंगल ने बताया कि बस्ति कर्म, पंचकर्म चिकित्सा की एक प्रमुख एवं प्रभावशाली विधि है, जो विशेष रूप से वर्षा ऋतु में अत्यंत प्रभावकारी मानी जाती है। यह चिकित्सा शरीर की शुद्धि, वात दोष के शमन तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि के लिए अत्यंत लाभकारी है। यह क्रिया आंतों की सफाई का प्राकृतिक व आयुर्वेदिक तरीका है।

बस्ति कर्म चिकित्सा से हमें कई स्वास्थ्य के लाभ होते है जिनमें मुख्यत वात दोष में नियंत्रण, पाचन तंत्र की सफाई, कब्ज, जोड़ों के दर्द, लकवा, वातरोग, गठिया, कमरदर्द आदि में लाभकारी, रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) में वृद्धि, त्वचा रोग, मानसिक विकार, नाड़ी विकार आदि में सहायक होता है। वर्षा ऋतु को बस्ति कर्म के लिए सर्वश्रेष्ठ ऋतु माना गया है, क्योंकि इस समय वात दोष प्रबल होता है और शरीर को शुद्ध करने की आवश्यकता होती है। बस्ति कर्म न केवल रोग निवारण का माध्यम है, बल्कि यह रोगों की रोकथाम एवं संपूर्ण स्वास्थ्य रक्षा की एक सशक्त आयुर्वेदिक प्रणाली है। यह चिकित्सा केवल योग्य आयुर्वेद चिकित्सक की देखरेख में ही करवाई जानी चाहिए।

इस शिविर में आयुर्वेद चिकित्सकों की देखरेख में रोगियों को निःशुल्क परामर्श एवं चिकित्सा प्रदान की जाएगी। संस्था द्वारा अधिक से अधिक लोगों से इस आयुर्वेदिक उपचार का लाभ उठाने की अपील की गई है। इस अवसर पर डॉ. किरण, डॉ. वैभव, डॉ. मिलिंद के साथ संस्थान के कार्यकारी परिषद् (ई.सी.) के सदस्यगण उपस्थित रहे।

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

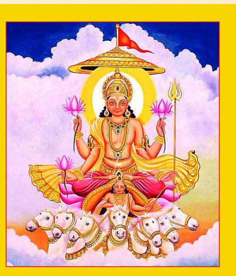

गुरु ब्रह्मा गुरु विष्णु - गुरु देवो महेश्वरः
गुरु साक्षात परब्रह्म - तस्मै श्री गुरुवे नमः

गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएँ

ओम बृहस्पते अति यदर्यो अर्हाद् द्युमद्विभाति क्रतुमज्जनेषु
यद्दीदयच्छवस ऋतप्रजात तदस्मासु द्रविणं धेहि चित्रम्।।

चढ़ने लगा पौधे लगाने का खुमार मगर, सार-संभाल हो तब ही सार्थक!

सटीक

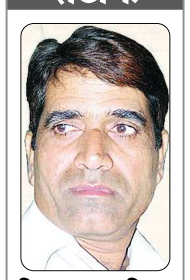

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

लोगों में प्रकृति के प्रति जागरूकता तो आने लगी है। जिसका उदाहरण है लोगों में पौधारोपण के प्रति बढ़ता रुझान। जैसे-जैसे बरसात तेज होने लगी है वैसे-वैसे ही लोगों में पौधे और वृक्षारोपण का खुमार भी चढ़ने लगा है। यूं तो बरसात के दिनों में पौधारोपण हमेशा होता है कुछ लोगों और संस्थाओं ने संकल्प भी ले रखा है कि प्रत्येक वर्ष उन्हें कितने सौ, हजार या लाख पौधे लगाने हैं और वे लगाते भी हैं। मगर इस समय जब से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक पौधा मां के नाम' अभियान चलाने की पहल की है, तब से तो मानो पौधे लगाने की लोगों में होड़ ही मच गई है। पिछले वर्ष राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी 'हरियालो राजस्थान' के अन्तर्गत पौधे लगाने की पहल के साथ बजट भी जारी किया था। पौधे लगाने की फोटो प्रिंट मीडिया और इलैक्ट्रोनिक मीडिया सहित सोशल मीडिया पर तो खूब दिखाई देती है। मगर ये पौधा लगाने के बाद उनकी देखभाल करने वालों की फोटो या खबरें दिखाई नहीं देती। इसलिए पौधे लगाने के बाद उनकी देखभाल करना भी जरूरी है। वरना तो सब किया-धरा बेकार ही हो जाएगा। पौधे लगाने की फोटो वायरल करने के बाद इसकी इतिश्री नहीं हो जानी चाहिए। एक पौधे लगाते समय दस-दस लोगों की फोटो देखने को मिलती है। मगर ये दस लोग एक-एक दिन के लिए भी अपना समय पौधे की देखभाल में लग दें तो कहना ही क्या। बहुत जल्दी ही प्रदेश में हरियाली दिखने लग जाए। मगर ऐसा होता नहीं है। अगर गौर से देखा जाए तो लोगों को हर साल एक ही स्थान या पार्क अथवा सड़क किनारे पौधे लगाते हुए देखा जा सकता है। आखिर वे पौधे लगने के बाद बड़े क्यों नहीं होते? क्यों उनकी देखभाल के अभाव में मौत हो जाती है। क्यों ना पौधे लगाते समय एक मुहिम 'पौधे की देखभाल' चलाई जाए। जिस जोश के साथ पौधे लगाए जाते हैं उसी भाव से साल-दर-साल पौधों में पानी देने उनकी सुरक्षा के लिए भी समय निकालना चाहिए। देखने में आया है कि कई संस्थाओं द्वारा लोगों से पौधों की सुरक्षा के लिए शपथ भी दिलाई जाने लगी है, मगर शपथ दिलाने मात्र से सुरक्षा नहीं होती। आजकल शपथ दिलाने का तो एक रिवाज सा चल पड़ा है जो कोई मायने ही नहीं रखता। कई जगह देखने में आता है कि कई मामलों में कार्यक्रम में भाग लेने आने वालों से शपथ दिला दी जाती है। क्या शपथ दिलाने से आगंतुकों के मन में सेवा का भाग जागृत हो जाता है? कदापि नहीं। जब तक उनके दिमाग में उसके प्रति जिम्मेदारी नहीं पनपेगी, तब तक कोई शपथ काम नहीं करेगी। इसलिए पौधे लगाने के साथ-साथ उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी लेनी ही पड़ेगी। तभी जाकर पौधारोपण अभियान सफल हो सकेगा। वरना तो लोग पेड़ों को काट-काट कर जमीन को बंजर बनाने पर आमादा हो ही रहे हैं।

shivdayalmishra@gmail.com

प्रदेशभर से आए लोगों की उपमुख्यमंत्री ने सुनीं समस्याएं

जनता की पीड़ा को टालना नहीं, राहत देना प्राथमिकता-दीया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश की जनता की समस्याएं अब केवल सुनी नहीं जा रही, बल्कि तत्काल हल भी हो रही हैं – यह उदाहरण आज उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की जनसुनवाई में देखने को मिला। सप्ताह के दूसरे दिन मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में प्रदेश के कोने-कोने से आए नागरिकों ने विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याएं रखीं। जनसुनवाई में शिक्षा, चिकित्सा, जल आपूर्ति, पेंशन, सड़क निर्माण, प्रशासनिक सेवाओं सहित अनेक विषयों से जुड़ी शिकायतें सामने आईं। उपमुख्यमंत्री ने हर आवेदक की बात गंभीरता से सुनी और मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कई प्रकरणों में तुरंत कार्रवाई की पहल कर दी गई। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने स्पष्ट कहा -"जनता की पीड़ा को टालना नहीं, तत्काल राहत देना हमारी प्राथमिकता है। हमारी सरकार जनभावनाओं के प्रति संवेदनशील है और जवाबदेही हमारी कार्यशैली का आधार है।" उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई भी आवेदन लंबित न रहे, और प्रत्येक मामले का निस्तारण निर्धारित समयसीमा में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जनसुनवाई को महज़ प्रक्रिया नहीं, बल्कि जनसेवा का जीवंत माध्यम बताया।

सकारात्मक पहल की पहचान बनी जनसुनवाई

हर सोमवार और मंगलवार को नियमित रूप से होने वाली जनसुनवाई प्रदेश में संवेदनशील सुशासन की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है। आज की जनसुनवाई में भी बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया और समस्याओं के समाधान को लेकर आश्वस्त नजर आए।

मुख्यमंत्री और केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री ने स्टार रेटिंग ऑफ माइन्स पुरस्कार समारोह में की शिरकत

खनन क्षेत्र में अग्रणी केन्द्र बनेगा राजस्थान-मुख्यमंत्री

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान खनन क्षेत्र के विकास के लिए पारदर्शी प्रक्रियाओं, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस तथा आधारभूत संरचना के विस्तार के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। हमारा लक्ष्य है कि राजस्थान खनन में अग्रणी केंद्र बने। उन्होंने कहा कि राजस्थान में लोहे से लेकर सोने तक खनिज प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। उन्होंने उद्यमियों से आह्वान किया कि वे प्रदेश में निवेश करें, राज्य सरकार उन्हें हर संभव सहयोग देने के लिए कटिबद्ध है।

शर्मा एवं केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी सोमवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में भारतीय खान ब्यूरो द्वारा आयोजित 7 एवं 5 स्टार रेटिंग वाली खदानों के सम्मान समारोह में शिरकत कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि स्टार रेटिंग प्रणाली खनन गतिविधियों की मूल्यांकन प्रक्रिया के साथ पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देती है। इस प्रणाली के तहत खनन पट्टों के प्रदर्शन को वैज्ञानिकता, सतत् विकास, जल प्रबंधन, पौधारोपण और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे महत्वपूर्ण मापदंडों पर आंकना शुरू किया है। उन्होंने भारतीय खान ब्यूरो द्वारा पुरस्कृत खदानों के प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि राजस्थान में भी खदानों का इसी प्रकार से मूल्यांकन कर रेटिंग देने का नवाचार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री शर्मा ने राज्यपाल से की मुलाकात

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजभवन पहुंचकर राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से मुलाकात की। राज्यपाल बागडे से उन्होंने राजस्थान के विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। राज्यपाल बागडे से मुख्यमंत्री शर्मा की यह शिष्टाचार भेंट थी।

आसाराम को फिर मिली राहत, हाईकोर्ट ने 12 अगस्त तक बढ़ाई अंतरिम जमानत

जोधपुर @ जागरूक जनता। दुष्कर्म के आरोपों में जेल काट रहे आसाराम बापू को राजस्थान हाईकोर्ट ने एक बार फिर राहत प्रदान की है। हाईकोर्ट की डबल बेंच ने आसाराम की अंतरिम जमानत की अवधि को बढ़ाकर 12 अगस्त 2025 तक कर दिया है। यह फैसला आसाराम की खराब सेहत और इलाज की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। इससे पहले गुजरात हाईकोर्ट ने उन्हें 7 जुलाई तक अंतरिम जमानत दी थी, जिसे बाद में राजस्थान हाईकोर्ट ने 9 जुलाई तक बढ़ाया था। अब इसे एक बार फिर आगे बढ़ाया गया है।

आगामी निगम चुनाव के लिए पार्षदों के टिकट प्राप्त करने की जुगत शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। हालांकि नगर निगम चुनाव की कोई औपचारिक घोषणा अभी तक नहीं हुई है, मगर पार्षदों के लिए टिकट प्राप्त करने की जुगत अभी से शुरू हो गई है। सूत्रो से पता चला है कि विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में इसी विषय को लेकर भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की एक मीटिंग आयोजित की गई। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक पार्षद द्वारा जो अपने आप को विधायक दीया कुमारी के बहुत नजदीक बताकर चुनाव लड़ने के लिए टिकट दिलाने की बात की गई। बियानी कॉलेज के पास एक पार्षद कार्यालय में हुई इस मीटिंग में कई भाजपा से जुड़े कार्यकर्ताओं ने अपने दावे प्रस्तुत किए और उन्हें टिकिट दिलाने के लिए आश्वस्त किया गया। जबकि भाजपा के ही कार्यकर्ताओं की मानें तो टिकिट दिलाने वाले को खुद के टिकट का ही अभी कोई पता नहीं है।

गौरतलब है कि राजस्थान में नगर निगम चुनाव 'वन स्टेट-वन इलेक्शन' की तर्ज पर कराए जाएंगे। यह जानकारी नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने बीते दिनों एक कार्यक्रम में कही थी।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को लेकर दिया बयान

'आप हमें सूट करते हो, 5 साल राज करो'

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान की सियासत में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। इस बार उन्होंने भजनलाल सरकार को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। जयपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार पर निशाना साधने के बजाय उन्हें सूटेबल करार दिया। उन्होंने कहा कि अभी डेढ़ साल हुआ है, पूरे पांच साल राज करो। आपको कौन रोक रहा है? पंडित भजनलाल हमें सूट करते हैं। हम चाहते हैं कि आप अच्छा शासन करें। गहलोत ने खुलासा किया कि उनकी भजनलाल से दो बार मुलाकात हुई है। उन्होंने बताया कि वो मेरे पास आए थे, बोले कि मैं 20 साल से राजस्थान में घूम रहा हूं और अच्छा काम करूंगा।

कानून-व्यवस्था पर क्या बोले?

अशोक गहलोत ने भजनलाल सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब है। उन्होंने दौसा के एक विधायक का उदाहरण देते हुए कहा कि उनके घर में चोरियां हो रही हैं, जो अखबारों की सुर्खियां बन रही हैं। गहलोत ने पूछा कि जब एक विधायक की यह हालत है, तो आम जनता का

फाईल फोटो

क्या हाल होगा? इसके अलावा, उन्होंने बजरी खनन में माफिया के बढ़ते प्रभाव पर चिंता जताई। गहलोत ने कहा कि हमारे कार्यकाल में भी बजरी खनन की समस्या थी, लेकिन हमने इसे रोकने की कोशिश की। अब तो ऊपर से नीचे तक नेक्सस बन गया है। पुलिस पर हमले हो रहे हैं, जो गैंग का हिस्सा नहीं, उन्हें कुचल दिया जाता है। उन्होंने मध्यमवर्गीय परिवारों को बजरी की महंगी कीमतों से होने वाली परेशानी का भी जिक्र किया। गहलोत ने मुख्यमंत्री को सलाह दी कि वे दौरे करने के साथ-साथ कानून-व्यवस्था, बजरी माफिया और प्रशासनिक समस्याओं पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के पास बड़ी शक्ति है, उसका उपयोग करें। अगर गवर्नेंस कमजोर रही, तो नुकसान सरकार को ही होगा।

योजनाओं को लेकर कसा तंज

गहलोत ने सरकार की योजनाओं पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार की 'प्रशासन गांव के संग' योजना को बंद कर इसका नाम बदल दिया गया। RGHS जैसी कर्मचारी हितैषी योजना को भी कमजोर कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि 25 लाख का बीमा अब भी है, लेकिन जनता के दिमाग में यह बैठ गया कि यह खत्म हो गया। प्राइवेट अस्पतालों में इलाज प्रभावित हो रहा है, क्योंकि भुगतान नहीं हो रहा। गहलोत ने सरकार को चेताया कि ऐसी गवर्नेंस का नुकसान उसे ही भुगतना पड़ेगा।

प्रशासनिक लापरवाही पर उठाए सवाल

पूर्व सीएम ने आईपीएस अधिकारियों के प्रमोशन में देरी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि प्रमोशन हो चुके हैं, लेकिन लिस्ट जारी नहीं हो रही। नए डीजीपी बन गए, फिर भी देरी क्यों? उन्होंने भजनलाल शर्मा से अपनी शक्तियों का उपयोग कर गवर्नेंस में सुधार लाने की अपील की।

SI भर्ती पर टिप्पणी से किया बचाव

एसआई भर्ती मामले में हाईकोर्ट की सुनवाई पर गहलोत ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार चली गई, अब भजनलाल सरकार को पब्लिक इंटरेस्ट में काम करना चाहिए। हाईकोर्ट का मामला ज्यूडिशियल है, हम क्या बोलें?

सम्पादकीय

हिंदी पर यू-टर्न, फडणवीस सरकार ने खींचे हाथ

लंबी रस्साकशी और कशमकश के बाद आखिरकार महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने स्कूलों में हिंदी की पढ़ाई से जुड़े मुद्दे पर अपने कदम पीछे खींच लिए। प्रदेश की राजनीति में यह मुद्दा जिस तरह से गरमाता जा रहा था, उसे देखते हुए सरकार के पास कोई और विकल्प भी नहीं रह गया था। फडणवीस सरकार की ताजा घोषणा को इस सचाई से अलग करके देखना मुश्किल है कि हिंदी का मुद्दा राज्य में विपक्षी दलों के हाथों का एक ताकतवर हथियार बनता जा रहा था। न केवल विपक्ष के सभी दल इस मसले पर एकजुट और विधानसभा के मॉनसून सत्र को हंगामेदार बनाने पर आमादा थे, बल्कि ठाकरे बंधुओं को भी हिंदी विरोध की राजनीति की अपनी जानी-पहचानी जमीन वापस मिलती दिख रही थी।

महाराष्ट्र सरकार ने स्कूलों में हिंदी की पढ़ाई के मुद्दे पर यू-टर्न लिया। विपक्ष इस मुद्दे को हथियार बना रहा था। शिवसेना के बाला साहेब ठाकरे ने पहले हिंदीभाषियों का विरोध किया था। समय के साथ, राजनीतिक समीकरण बदले। मुंबई और महाराष्ट्र में हिंदीभाषियों की आबादी बढ़ी है। सरकार इस मुद्दे पर घिर गई थी।

याद किया जा सकता है कि शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे के शुरुआती दौर में पार्टी खास तौर पर हिंदीभाषियों के विरोध के लिए जानी जाती थी। मुंबई और महाराष्ट्र में हिंदीभाषियों की निरंतर बढ़ती आबादी को शिवसेना मराठी अस्मिता के लिए खतरे के रूप में देखती थी। हालांकि बाद के दौर में, खासकर नब्बे के दशक से BJP के गठबंधन में शिवसेना की राजनीति भी हिंदी से हिंदू की ओर मुड़ती गई। मुंबई और महाराष्ट्र की बदलती डेमोग्राफी ने भी उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में शिवसेना को लचीला रुख अपनाने के लिए प्रेरित किया। वहीं, पुरानी आक्रामकता जारी रखते हुए राज ठाकरे की पार्टी धीरे-धीरे कमजोर ही होती गई।

चाहे मुंबई हो या महाराष्ट्र, कुल आबादी में हिंदीभाषियों का बढ़ता अनुपात भी अपना असर दिखा रहा था। 2001 की जनगणना के मुताबिक हिंदीभाषियों की संख्या मुंबई में 25.9% और मराठीभाषियों की 42.9% थी जो 2011 में क्रमशः 30.2% और 41% हो गई। महाराष्ट्र में इसी अवधि में जहां मराठीभाषी आबादी 76% से 73.4% पर आ गई, वहीं हिंदीभाषियों का अनुपात 7.3% से बढ़कर 9.5% हो गया। मतदाताओं का बदलता स्वरूप राजनीति में अघोषित तौर पर जो बदलाव ला रहा था, उसे अचानक ही कथित तौर पर हिंदी लादने के इस फैसले ने मानो अप्रासंगिक कर दिया। न केवल उद्धव और राज ठाकरे इस सवाल पर आक्रामक रूप में सामने आए और कांग्रेस व NCP (शरद पवार) उनके साथ खड़ी रहीं बल्कि उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने भी खुलकर इस फैसले का विरोध कर दिया। एकनाथ शिंदे भी इसके पक्ष में नहीं थे। जाहिर है, सरकार इस मुद्दे पर घिर गई थी। ऐसे में उसे इस मुश्किल से निकलने का रास्ता फैसले को वापस लेने में ही दिखा।

गुरुकुल का अर्थ है वह स्थान या क्षेत्र, जहां गुरु का कुल यानी परिवार निवास करता है। प्राचीन काल में शिक्षक को ही गुरु या आचार्य मानते थे और वहां शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को उसका परिवार माना जाता था। यह एक आवासीय विद्यालय प्रणाली थी जिसकी उत्पत्ति भारतीय उपमहाद्वीप में लगभग 5000 ईसा पूर्व की है।

भारतवर्ष की गुरुकुल शिक्षा और संस्कृति विकास

तुषार पुरोहित
पत्रकार
@jagrukjanta.net

गुरु' के आचरण द्वारा विद्यार्थी हर एक आयामों की और जीवन व्यवहार की शिक्षा पाते थे। इसलिए पढ़ाई का कार्य 4-5 घंटे नहीं अपितु संपूर्ण दिन-रात, सातों दिन 24 घंटे चलता था। प्रात: उठ के दंतधावन (दातून) कैसे करना, स्नान कैसे करना, भोजन कब, कैसे करना है? रात में कैसे सोना है? यह सब बताना, यह भी एक प्रकार का शिक्षण ही है।

प्राचीन काल से हमारे देश में शिक्षा को एक महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। हमारे भारत में गुरुकुल परम्परा सबसे पुरानी व्यवस्था है। गुरुकुल प्रणाली का सबसे पहला उल्लेख वेदों और उपनिषदों में मिलता है। शिक्षा की यह प्रणाली प्राचीन काल से अस्तित्व में थी। यह सर्वविदित है कि यूरोप, मध्य पूर्व और पुर्तगाल जैसे अन्य देशों के लोग गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए भारत आते रहते थे। प्राचीन काल में भारत में प्रचलित प्रसिद्ध शिक्षा प्रणालियों में से एक गुरुकुल प्रणाली थी। 'गुरुकुलम्‌ शिक्षा पद्धति" संपूर्णतः आचार्य केन्द्रित और पंचकोश विकास के आधार पर खड़ी थी। गुरुकुल के हर क्रियाकलाप, नियम एवं अनुशासन, इसी पंचकोश विकास को ध्यान में रखते हुए बनाए जाते थे। इसी शिक्षा से शिक्षित एवं दीक्षित होकर अनेक चरित्रों ने इतिहास में अमरत्व प्राप्त किया है। ऐसे महापुरुषों में भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण, बुद्ध, महावीर, आचार्य जीवक, आचार्य चाणक्य इसके नेत्रदीपक दृष्टत है।

गुरुकुल प्रणाली क्या है?

गुरुकुल का अर्थ है वह स्थान या क्षेत्र, जहां गुरु का कुल यानी परिवार निवास करता है। प्राचीन काल में शिक्षक को ही गुरु या आचार्य मानते थे और वहां शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को उसका परिवार माना जाता था। यह एक आवासीय विद्यालय प्रणाली थी जिसकी उत्पत्ति भारतीय उपमहाद्वीप में लगभग 5000 ईसा पूर्व की है। जहां छात्रों को विभिन्न विषयों और एक सुसंस्कृत और अनुशासित जीवन जीने के तरीके के बारे में पढ़ाया जाता था। जहाँ शिष्य 5 वर्ष की आयु में आते थे और 21 वर्ष की आयु तक निवास करते थे लगभग 15 वर्षों तक जब तक उनकी शिक्षा पूरी नहीं हो जाती तब तक ब्रह्मचर्य का पालन करते थे।

गुरुकुल में सभी को समान माना जाता था और गुरु (शिक्षक) के साथ-साथ शिष्य (विद्यार्थी) एक ही घर में रहते थे या एक दूसरे के पास रहते थे। स्त्री और पुरुषों की समान शिक्षा को लेकर गुरुकुल काफी सक्रीय थे। उदाहरण: उत्तररामचरित में वाल्मीकि के आश्रम में लव-कुश के साथ पढ़ने वाली आत्रेयी नामक स्त्री का उल्लेख है। इससे पता चलता है कि सह-शिक्षा भारत में प्राचीन काल से रही है। पुराणों में भी कहोद और सुजाता, रहु और प्रमद्वरा की कथाएँ वर्णित हैं। इनसे ज्ञात होता है कि कन्याएं बालकों के साथ पढ़ती थी और उनका विवाह युवती हो जाने पर होता था। आगे चलकर लड़के और लड़कियों के गुरुकुल अलग-अलग हो गए थे, जिस प्रकार लड़कों को शिक्षा दी जाती थी उसी प्रकार से लड़कियों को भी शिक्षा दी जाती थी, शास्त्र-अस्त्र की शिक्षा तथा वेदों का ज्ञान दिया जाता था। गुरु और शिष्य का यह रिश्ता इतना पवित्र था गुरु के महत्व को प्रतिपादित करने के लिए कहा गया है कि-

गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु गुरु देवो महेश्वर, गुरु साक्षात् परमं ब्रह्मा तस्मै श्री गुरुवे नमः

छात्रों से कोई शुल्क नहीं लिया जाता था। हालांकि छात्र को गुरुदक्षिणा देनी पड़ती थी जो शिक्षक को दिए जाने वाले सम्मान का प्रतीक था। यह मुख्य रूप से उनके विशेष कौशल या कुछ धन के रूप में या एक विशेष कार्य के रूप में होता था जिसे छात्र को गुरु के लिए करना पड़ता था। और समावर्तन संस्कार (दीक्षांत समारोह) संपन्न कर उसे अपने परिवार को भेज दिया जाता था।

वर्तमान समय में गुरुकुल प्रणाली का महत्व

गुरु' के आचरण द्वारा विद्यार्थी हर एक आयामों की और जीवन व्यवहार की शिक्षा पाते थे। इसलिए पढ़ाई का कार्य 4-5 घंटे नहीं अपितु संपूर्ण दिन-रात, सातों दिन 24 घंटे चलता था। प्रातः उठ के दंतधावन (दातून) कैसे करना, स्नान कैसे करना, भोजन कब, कैसे करना है? रात में कैसे सोना है? यह सब बताना, यह भी एक प्रकार का शिक्षण ही है। इसलिए 'श्रीमद् भागवतम्' में भी 'कौमारात्? आचरेत प्राज्ञः' (कौमार) बाल्य अवस्था से ही बुद्धिमान आचार्य के आचरण से आचरण शिक्षा लेते है। गुरु के आचरण से बुद्धिमान शिष्य जीवन की शिक्षा लेते थे। इसलिए पढ़ना केवल सिद्धांत नहीं है, अपितु पूर्ण व्यवहारिक और प्रायोगिक है, जीवनलक्षी है। इस कारण से ही 'गुरुकुलम्? शिक्षण पद्धति' से पढे हुए विद्यार्थी अपने चरित्र और आचरण से संपूर्ण विश्व को शिक्षण या मार्गदर्शन देने का सामर्थ्य रखते थे।

एतद्देशप्रसूतस्य, सकाशादग्रजन्मनः स्वं स्वं चरित्र शिक्षेरन्, पृथिव्यां सर्वमानवाः

इसलिए यहाँ केवल सूखा तत्त्वज्ञान नहीं लेकिन प्रायोगिक तत्त्वज्ञान भी है। गुरुकुलों का मुख्य ध्यान छात्रों को एक प्राकृतिक परिवेश में शिक्षा प्रदान करने पर था जहाँ शिष्य आपस में भाईचारा, मानवता, प्रेम और अनुशासन से रहते थे। विवेकाधिकार और आत्म-संयम,चरित्र में सुधार, मित्रता या सामाजिक जागरूकता, मौलिक व्यक्तित्व और बौद्धिक विकास,पुण्य का प्रसार, आध्यात्मिक विकास, संस्कृति का संरक्षण आवश्यक शिक्षाएं आदि के साथ-साथ विज्ञान, गणित, रसायन, खगोल विज्ञान आदि जैसे विषयों में समूह चर्चा, स्व-शिक्षा आदि के माध्यम से होती थीं।

इतना ही नहीं बल्कि कला, खेल, शिल्प, गायन पर भी ध्यान दिया गया जिससे उनकी बुद्धि और आलोचनात्मक सोच विकसित हुई। योग, ध्यान, मंत्र जप आदि गतिविधियों ने सकारात्मकता और मन की शांति पैदा करने और उन्हें सक्षम बनाने में योगदान देते थे।

जीवन उपयोगी विषयों को "विद्या' एवं जीविका उपयोगी विषयों को "कला" कहा जाता है। जीवन उपयोगी विद्या के 14 और जीविका उपयोगी कला के 64 प्रकार है।

जीवन उपयोगी विद्या के 14 प्रकार है-

1) ऋग्वेद, 2) यजुर्वेद, 3) सामवेद, 4) अथर्ववेद यह 4 वेद है, 5) छंद, 6) कल्प, 7) निरुक्त, 8) ज्योतिष, 9) शिक्षा, 10) व्याकरण, यह 6 वेदांग है और 11) न्यायशास्त्र, 12) मीमांसाशास्त्र, 13) धर्मशास्त्र, 14) इतिहास पुराण इस प्रकार 14 विद्या है।

इन 64 कलाओं के नाम भी उपलब्ध है। उसमें से कुछ कलाएँ लुप्त हों गई कुछ कलाएँ प्रायः लुप्त होने को है। कुछ कलाएँ आज भी प्राप्त है।

उन्हें व्यावहारिक कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से दैनिक कार्यों को स्वयं करना भी अनिवार्य था। इन सभी से व्यक्तित्व के विकास में मदद की और उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन की भावना, बुद्धि को बढ़ाया जो आज भी आने वाली दुनिया का सामना करने के लिए आवश्यक है।

ये लेखक के अपने विचार है

ना जाने कौनसी बात कब चित्त चढ़ जाये और वही हमें रोकने लगे तो...

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

ज्ञानेन्द्र मिश्रा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

मानवीय प्रवृति है, हमारे सार्वजनिक जीवन में, गृहस्थ जीवन में, हमारे कार्मिक जीवन में कहीं गई बातें कब अच्छी लग जाए और ना जाने कब चुभ जाये। अर्थात् चित्त से ही नहीं उतरती। चाहे वे सकारात्मक हो या नकारात्मक। विचार और बातें, हमारे जीवन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हर इंसान के भीतर कोई न कोई बात दबी होती है- कोई घटना, कोई चोट, कोई अपमान, कोई अनकहा संवाद, कोई अधूरा रिश्ता या कोई सपना जो कभी पूरा नहीं हो सका। ये वे बातें होती हैं जो बीत जाती हैं, पर पूरी तरह जाती नहीं। वे हमारी यादों की गहराइयों में, हमारी संवेदनाओं के तहखानों में, हमारी रोज़मर्रा की सोच के बीच रह जाती हैं- चुपचाप, लेकिन सजीव। और हम अक्सर सोचते हैं कि वे बीती बातें हैं, उनका आज से क्या लेना-देना। पर शायद हम यह नहीं समझ पाते कि जो बातें हम भूल नहीं पाए, वे ही चुपचाप हमें आगे बढ़ने से रोक रही होती हैं।

हम जीवन में आगे बढ़ना चाहते हैं। नए अनुभव, नए रिश्ते, नई शुरुआतें- सब कुछ आकर्षित करता है। पर जब हम किसी नए क्षण में पूरी तरह उपस्थित नहीं हो पाते, जब कोई सफलता भीतर से उतना उत्साह नहीं दे पाती, जब हर नई चीज़ में कोई पुराना डर, कोई छाया बनी रहती है- तब समझ लेना चाहिए कि कुछ अधूरा हमारे भीतर अब भी जीवित है।

कभी-कभी यह एक वाक्य होता है जो किसी ने सालों पहले कहा था -"तुमसे नहीं होगा", "तुम बहुत बदल गए हो", "तुमने मुझे बहुत चोट दी थी", "तुम्हारा कभी भला नहीं होगा"- और वह वाक्य हमारे भीतर बैठा रह जाता है। क्योंकि वह किसी ऐसे व्यक्ति ने कहा होता है, जिसे आपने अपना माना था। वह वाक्य हमारे आत्मविश्वास कीरतों के बीच जगह बना लेता है। अब चाहे हम कितनी भी मेहनत कर लें, वो आवाज़ बीच-बीच में कानों में फुसफुसा जाती है- और हम हिचक जाते हैं। कभी वह किसी अपने का अचानक चला जाना होता है, जिसकी अधूरी विदाई ने मन के किसी कोने को ठंडा छोड़ दिया था। और अब कोई भी विदाई हमें थामने नहीं देती- हम हमेशा भीतर कुछ खो देने के डर में जीने लगते हैं।

स्मृति केवल याद भर नहीं होती, वह एक ऊर्जा होती है। और जो स्मृति भीतर गांठ बन जाए, वह ऊर्जा को जाम कर देती है। हम आगे बढ़ना तो चाहते हैं, पर जैसे किसी ने अदृश्य रूप से पाँव पकड़ रखा हो। हम उड़ना चाहते हैं, लेकिन भीतर कोई वजन है जो हमें ज़मीन से बाँध देता है। तब हमें यह देखने की ज़रूरत होती है कि वह कौन-सी बात है जिसे हमने भुलाने की कोशिश की, पर वह भूली नहीं। उसे झुठलाना, दबाना, या उससे बचना काम नहीं करता- उसे देखना, स्वीकारना और धीरे-धीरे उससे विदा लेना ही एकमात्र रास्ता है।

कई लोग सोचते हैं कि "बीती बातों को भूल जाना चाहिए"- हाँ, यह बात सही है, पर भूलना कोई बटन नहीं है जिसे दबाकर स्मृति मिटा दी जाए। पर जीवन में कुछ घाव ऐसे होते हैं जो ठीक नहीं होते, लेकिन वे सूख सकते हैं- यदि हम उन्हें हवा दें, प्रकाश दें और यह स्वीकार करें कि "हाँ, यह हुआ था- पर अब मैं यहाँ हूँ।" जब हम किसी स्मृति को छिपाते हैं, तो वह भीतर गहराती है। पर जब हम उसे प्रकाश में लाते हैं, तो वह धीरे-धीरे रूपांतरण की प्रक्रिया में प्रवेश करती है।

अगर आपके भीतर कोई बात बार-बार लौट रही है, तो वह शायद आपको यह बताने आई है कि आप अभी तक पूरी तरह मुक्त नहीं हुए। और जब तक आप मुक्त नहीं होते, तब तक आप आगे नहीं बढ़ सकते- चाहे आप कितनी भी योजनाएँ बना लें, कितनी भी यात्राएँ कर लें। इसलिए रुकिए, भीतर झाँकिए, और ईमानदारी से देखिए- आप किन बातों को अब तक भूला नहीं पाए? और क्या वही बातें आज आपके पंखों में बंधी रस्सियाँ तो नहीं बन चुकी हैं?

(ये लेखक के अपने विचार है)

आखर-आखर झरे उजियार

संचय एक सीमा तक ही उचित

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

बड़ी प्यारी कहावत है- बहता पानी निर्मला। पानी ठहर जाय तो सड़ जाता है। धन में भी प्रवाह ज़रूरी है। इसीलिए कह्ते हैं कि लक्ष्मी चंचल होती है। स्थिरता उसे पसन्द नहीं। पैसा नित नए निर्माण और विकास में निवेशित हो तो देश और दुनिया में समृद्धि आती है। अंग्रेज़ी का करंसी शब्द करंट से बना है। यानी विद्युत प्रवाह जैसी बहती है धन राशि। यही कारण है कि बड़े बड़े उद्योगपति धन राशि का निवेश कर नव निर्माण में उसे प्रवाहित कर देते हैं या फिर परोपकार में खर्च कर देते हैं।

एक रोचक प्रसंग याद आ रहा है। राजा भोज एक बार जंगल के रास्ते से गुजर रहे थे। उन्होंने देखा एक विशाल वट वृक्ष की डाल पर मधुमक्खियों का बड़ा छत्ता लगा हुआ है. वो 'अब गिरे तब गिरे' की स्थिति में था। राजा भोज ने गौर से देखा मधुमक्खियां उस छतै पर हाथ पैर घिस रही है। उन्होंने साथ चल रहे राज कवि से पूछ लिया, ये मधुमक्खियां ऐसा क्यों कर रही है?

उसने कर्ण, दधीचि और राजा शिवि जैसे दानवीरों का जिक्र करते हुए कहा कि वो अपनी दान की महिमा की बदौलत अमर हो गए, जब कि अनेक राजा महाराजा आए और चले गए, उनका कोई नामलेवा भी नहीं है। इन मधुमक्खियों ने भी पूरे जीवन केवल संग्रह ही किया है। कभी दान नहीं किया. अब अपनी संपदा नष्ट होते देख पछता रही है। इसीलिए हाथ पैर घिस रहीं हैं। कुल जमा बात यह है कि अपरिग्रह की साधना भी आवश्यक है। संचय एक सीमा तक ही उचित रहता है।

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

शरीर के बाहर रहने वाली वायु से हमें शिक्षा मिलती है, कहीं भी आशक्ति नहीं रखें और न ही किसी का गुण दोष ग्रहण करें। वायु अनेक स्थानों में जाती है किन्तु कहीं आसक्त नहीं होती, कहीं एक जगह नहीं रुकती और न किसी का गुण दोष अपनाती। वायु पृथ्वी के गुण गंध को ग्रहण तो करती है किन्तु गंध से उसका सम्पर्क नहीं होता वह शुद्ध ही रहती है।

3. आकाश: आकाश हमें अपरिच्छिन्ता, निर्लिप्तता की शिक्षा देता है। आकाश में चाहे आंधी आए, जल बरसे, अंधकार या प्रकाश हो, आकाश अछूता ही रहता है। आकाश से हमें आत्मा के सर्वव्यापकता की शिक्षा मिलती है। ऐसा कोई स्थान नहीं जहां ाकाश न हो इसी प्रकार ऐसी कोई वस्तु स्थान परिस्थिति आदि नहीं, जहां आत्मा न हो। जैसे घड़े के भीतर का आकाश, घर के भीतर का आकाश आदि भिन्न-भिन्न प्रतीत होने पर भी वास्तव में हैं सब एक ही आकाश। वैसे ही चर-चर स्थूल सूक्ष्म आदि शरीर सब आत्मा रूप से सर्वत्र स्थित ब्रह्म के ही रूप हैं। साधक को चाहिए कि आकाश की तरह, सूत की माला में सूत के मणियों में व्याप्त सूत के समान, आत्मा को अखंड और असंग रूप से देखें।

4. जल: जल हमें शुद्ध, स्निग्ध, मधुर और लोक पावन होने की शिक्षा देता है। जल स्वभाव से ही स्वच्छ, चिकना मधुर और पवित्र करने वाला होता है।

क्रमशः

ओपिनियन

"बस एक एक्सीडेंट था..." लेकिन ज़िंदगी पूरी बदल गई

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अनुजा श्रीवास्तव
फैलो रिसर्चर
@jagrukjanta.net

जब सड़क पर कोई गिरता है, तो पूरा एक घर टूट जाता है। "वो सुबह की तरह ही निकला था – जल्दी-जल्दी तैयार होकर, मां से कहा था, 'शाम को दही-चूड़ा बनाना, भूख लगी है'ज और उसी शाम घर सिर्फ एम्बुलेंस आई।"

ये शब्द हैं रीता देवी के, जिनका 22 साल का बेटा विशाल बाइक से ऑफिस जाते वक्त एक ट्रक की चपेट में आ गया। हेलमेट पहना था, लेकिन ट्रक वाला गलत दिशा में था। उस एक पल ने उनके पूरे परिवार की नींव हिला दी। भारत में हर चार मिनट में कोई न कोई सड़क हादसे में जान गंवाता है। ये खबरें अक्सर खबर बनती हैं, मगर जो नहीं बनती – वो होती है उन परिवारों की चुप्पी, जिनका सब कुछ लुट चुका होता है।

एक झटका, जो उम्र भर नहीं संभलता

जब कोई सड़क हादसे में जाता है, तो सिर्फ एक शरीर नहीं गिरता – पूरा परिवार घुटनों पर आ जाता है। घर का कमाने वाला चला जाए तो बचा-खुचा सबकुछ बेच कर इलाज होता है, और फिर ज़िंदगी कर्ज़ और खाली थालियों के बीच बीतती है।

जो बच जाते हैं, वे अक्सर किसी और ज़िंदगी में फंसे होते हैं – हड्डियाँ टूटी, कमर झुकी, आंखों में डर और दिल में दर्द।

'सरकार ने कहा मदद मिलेगीज लेकिन कोई आया नहीं'

सरकार की योजनाएं हैं – मुआवज़ा, बीमा, सहायता – लेकिन ये सब सिर्फ़ कागज़ों में ज़िंदा हैं। ज़मीनी हकीकत? अस्पतालों में गारंटी मांगते हैं, पुलिस FIR नहीं लिखती, और बीमा कंपनी कहती है "पेपर अधूरे हैं"।

लखनऊ की सीमा शर्मा बताती हैं, "पति की डेथ के बाद 6 महीने तक बस ऑफिस के चक्कर काटे। दो छोटे बच्चे हैं, कोई सुनने वाला नहीं।"

ये वो महिलाएं हैं जो ज़िंदगी में कभी घर से बाहर अकेली नहीं निकली थीं, आज कोर्ट-कचहरी के चक्कर काट रही हैं।

'रो तो लिया... अब कमाना है'

मन की तकलीफ़ का कोई मुआवज़ा नहीं होता। हादसे के बाद परिवार वालों को रोने की भी फुर्सत नहीं होती। कोई दो वक्त की रोटी जुटाने में लगा है, तो कोई स्कूल छूटे बच्चों को संभालने में।

कई बार लोग हादसे के बाद PTSD (पोस्ट ट्रॉमैटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर) से जूझते हैं – उन्हें नींद नहीं आती, हॉर्न सुनते ही दिल कांप जाता है। मगर मानसिक इलाज? वो तो हमारे सिस्टम में 'luxury' माना जाता है।

औरतों पर सबसे ज़्यादा भार

जब घर का मर्द चला जाता है या अपाहिज हो जाता है, तो सबसे ज़्यादा मार औरत पर पड़ती है। वो अब मां भी है, बाप भी। कई बार तो लोग ताने देने लगते हैं – "किस्मत खराब है", "पिछले जनम का फल है"।

कहां जाए ऐसी औरतें? क्या करें?

जस्टिस का नाम लेकर हम चुप हो जाते हैं

न्याय? वो तो इंडिया में धीरे-धीरे मिलता है- या कभी नहीं। ञ्ख्ञ् कोर्ट में केस चलता रहता है, बीमा कंपनी अपील करती रहती है, गवाह गायब हो जाते हैं। और जब तक फैसला आता है, पीड़ित या तो दुनिया छोड़ चुका होता है या उम्मीदें।

तो क्या करें? इंसान बनें।

- सड़क हादसों को 'न्यूज़' ना समझें – ये किसी की जिंदगी है।
- सरकार को चाहिए कि पीड़ित परिवार को 30 दिन के भीतर सहायता दे – बिना 20 चक्कर के।
- हर ज़िले में एक पीड़ित सहायता केंद्र बने, जहां इंसानियत ज़िंदा हो।
- मानसिक स्वास्थ्य पर फोकस हो – क्योंकि जो बचे हैं, वो भी हर रोज़ मर रहे हैं।
- पुलिस, अस्पताल, बीमा कंपनी – सबमें संवेदनशीलता की ट्रेनिंग हो।

अंत में

हादसे तो अचानक होते हैं, लेकिन उनका असर एक उम्र काटता है।

अगर हम इतने असंवेदनशील हो गए हैं कि हमें लगता है "बस एक एक्सीडेंट था", तो हमें फिर से इंसान बनना सीखना होगा। क्योंकि जिस दिन आपके घर के किसी दरवाज़े पर एम्बुलेंस रुकेगी – उस दिन आपको समझ आएगा, कि खबर में आया नाम ही नहीं गया, पूरा एक सपना चला गया।

जागरूक जनता Selfie विद डॉटर

गीतिका डॉटर भगवती-जयराज महावर, जयपुर

हमे भेजें

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

पंचांग

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 09/07/2025

सूर्योदय : 05:43 **सूर्यास्तः** 19:20 **चन्द्रोदय** : 18:29 **चन्द्रास्त** : 03:49 **शक सम्वत** : 1947 विश्वावसु **विक्रम सम्वत** : 2082 कालयुक्त **अमान्ता महीना** : आषाढ़ा **पूर्णिमांत** : आषाढ़ा **सूर्य राशि** : मिथुन **चन्द्र राशि** : धनु **पक्ष** : शुक्ल **तिथि** : चतुर्दशी, 25:34 तक **वार** : बुधवार **द्रिक ऋतु** : वर्षा **द्रिक अयन** : दक्षिणायन

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : मूल, 28:41 तक
योग : ब्रह्मा, 21:56 तक
प्रथम करण : गारा, 13:08 तक
द्वितिय करण : वणिजा, 25:34 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:09 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:29 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:45 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	07:21 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	07:22 पी एम से
अमृत काल	10:00 पी एम से
निशिता मुहूर्त	12:6 ए एम, जुलाई 10 से
रवि योग	05:30 ए एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : चन्द्र
कुंभ चक्रः पश्चिम

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 05:43 - 07:25	उद्वेग : 19:19 - 20:37
अमृत	: 07:25 - 09:07	शुभ : 20:37 - 21:55
काल काल वेला	: 09:07 - 10:49	अमृत : 21:55 - 23:13
शुभ	: 10:49 - 12:31	चर : 23:13 - 00:31
रोग वार वेला	: 12:31 - 14:13	रोग : 00:31 - 01:49
उद्वेग	: 14:13 - 15:55	काल : 01:49 - 03:07
चर	: 15:55 - 17:37	लाभ : 03:07 - 04:25
लाभ	: 17:37 - 19:19	उद्वेग : 04:25 - 05:43

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज चतुर्दशी

आज कौन सा कार्य करें

चतुर्दशी भी रिक्ता तिथि है इसलिए इस दिन भी कोई भी नया, मांगलिक कार्य वर्जित है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

आषाढ़, शुक्ल, चतुर्दशी, 2082 बुधवार, 09 जुलाई - 15 जुलाई, 2025

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

वृश्चिक [तो, ना, नी, नू, या, यी, यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह]
विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हु, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा, जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

भाजपा के कार्यकर्ता, पदाधिकारी गुरू पूर्णिमा पर अपने-अपने क्षेत्रों के प्रमुख धार्मिक स्थलों जैसे मठ, मंदिर, आश्रम, गुरुद्वारा आदि में जाकर गुरुओं का आदरपूर्वक सम्मान करेंगे

भाजपा गुरू पूर्णिमा पर साधु-संतों का करेगी सम्मान-मदन राठौड़

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि गुरु परंपरा भारत की आत्मा है और सनातन संस्कृति का मूल आधार है। इसी भावना के अनुरूप भारतीय जनता पार्टी के सभी जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी, सांसद, महापौर, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, पार्षद तथा पार्टी के अन्य पदाधिकारी गुरू पूर्णिमा पर अपने-अपने क्षेत्रों के प्रमुख धार्मिक स्थलों जैसे मठ, मंदिर, आश्रम, गुरुद्वारा आदि में जाकर गुरुओं का आदरपूर्वक सम्मान करेंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि गुरू पूर्णिमा पर आयोजित विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल श्रद्धा का प्रतीक बनना है, बल्कि सनातन परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन का माध्यम भी बनाना है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत संतों, महर्षियों के आश्रमों में निवास करने वाले ग्रंथियों, महापुरुषों एवं सेवाधारियों का भी सम्मान किया जाएगा। पार्टी कार्यकर्ता इन कार्यक्रमों की तस्वीरों को सोशल मीडिया पर साझा करेंगे ताकि यह संदेश व्यापक स्तर पर फैले और युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़ने की प्रेरणा मिले। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा गुरु पूर्णिमा पर आयोजित यह सम्मान कार्यक्रम न केवल श्रद्धा और संस्कृति का संगम होगा, बल्कि एक सामाजिक कर्तव्य के निर्वहन की दिशा में एक सशक्त पहल भी साबित होगा।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. अरूण चतुर्वेदी ने बताया कि भाजपा शीर्ष नेतृत्व की ओर से गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर सभी सनातन संस्कृति के संत महात्माओं का सम्मान करने का निर्णय किया गया है। इसके लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की अध्यक्षता में मंगलवार को प्रदेश स्तरीय वर्चुअल बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी एवं पार्टी के सभी 44 जिलाध्यक्ष, पदाधिकारियों के साथ संवाद किया गया। सह संयोजक सौरभ सारस्वत ने बताया कि संगठन की ओर से प्रदेश अध्यक्ष से लेकर बूथ अध्यक्ष और सरकार के स्तर पर मुख्यमंत्री से लेकर पार्षद तक सभी अपने क्षेत्र में साधु-संतों का सम्मान करेंगे। इस सम्मान कार्यक्रम में हर वर्ग के धर्म गुरुओं के साथ-साथ सिख धर्म, जैन धर्म के संत महात्माओं तक भी पार्टी के पदाधिकारी पहुंचेंगे और उनका आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। इस दौरान श्रीफल, शॉल, माला से बहुमान करने के बाद आशीर्वाद लिया जाएगा। इसमें साधु-संत, कथा वाचक, मंदिरों के पुजारी, ग्रंथी, महापुरुषों एवं आश्रमों में रहने वाले संतजनों का सम्मान किया जाएगा।

एनके पब्लिक स्कूल में वृक्ष महोत्सव आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। एन.के. पब्लिक स्कूल, आर्या नगर, मुरलीपुरा ने 1 से 7 जुलाई तक वृक्ष महोत्सव सप्ताह का आयोजन बड़े उत्साह और जोश के साथ किया। इस सप्ताह के दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें से एक प्रमुख गतिविधि थी "पेडल फॉर प्लैनेट" साइकिल रैली।

इस रैली में कक्षा 1 से 5 के छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण का महत्वपूर्ण संदेश दिया। 7 जुलाई को आयोजित इस रैली को प्रबंधन द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। छात्रों ने मुरलीपुरा क्षेत्र में साइकिल चलाकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंध निदेशक डॉ. एन.सी. लुनायच ने कहा, "वृक्ष महोत्सव हमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करता है और हमें पेड़ों के महत्व को समझने का अवसर प्रदान करता है। यह आयोजन हमें अपनी जिम्मेदारी का एहसास कराता है और हमें पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाता है।" विद्यालय के निदेशक कुलदीप सिंह ने कहा, "इस तरह के आयोजन छात्रों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाते हैं और उन्हें पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझने में मदद करते हैं। हमें अपने बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना होगा ताकि वे भविष्य में पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।"

विद्यालय की प्रिंसिपल मिस चित्रा राजे बसेरा ने कहा, "हमारे विद्यालय में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए समय-समय पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। हमें विश्वास है कि इस तरह के आयोजन हमारे छात्रों को पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रेरित करेंगे।" इस अवसर पर सलाहकार वी.एन. त्रिवेदी और समन्वयक डॉ. नाहिद खान भी उपस्थित थे। उन्होंने छात्रों की सक्रिय भागीदारी और उत्साह की प्रशंसा की और उन्हें पर्यावरण संरक्षण में निरंतर प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया।

वृक्ष महोत्सव सप्ताह के दौरान विद्यालय में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें पौधारोपण, चित्रकला प्रतियोगिता, निबंध लेखन और पर्यावरण संरक्षण पर चर्चा शामिल थी। इन गतिविधियों ने छात्रों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझने और उसमें अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

सड़क उखड़कर गड्ढ़ों में तब्दील

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सांगानेर पंचायत समिति के गांव बालावाला डिग्गी रोड स्टेशन से लेकर वाटिका तक एक सड़क निर्माण के छह महीने में टूट गई। सड़क टूटने के कारण आए दिन हादसे होते हैं। बालावाला स्टेशन से डाबला मोड़,श्रीरामपुरा मोड़ ,ग्राम पंचायत लाखना, सीतारामपुरा चौराहा, पहाड़िया सोसायटी चौराहा, जिंद बाबा मंदिर लाखना, साइन इंटरनेशनल स्कूल, दादिया चौराहा, भाठेड चौराहा, रामसिंहपुरा चौराहा, राजकीय सेटेलाइट अस्पताल वाटिका गांव आदि तक जाने वाली डामरीकरण सड़क वर्तमान में क्षत्रिग्रस्त हो गई है। ग्रामीणों ने बताया कि जगह जगह गहरे गड्ढे होने के कारण राहगीर रोजाना हादसे के शिकार हो रहे हैं। स्थानीय संवाददाता दिनेश प्रजापत ने बताया कि उस समय भी सड़क का घटिया निर्माण किया था, जिस कारण सड़क करीब छह महीने बाद ही टूट गई है। दस किलोमीटर तक सड़क कई जगह जगह डामर पूरी तरह उखड़कर गिट्टी बाहर आ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि ठेकेदार ने सड़क का निर्माण सही नहीं करने से सड़क पुरी जगह से क्षतिग्रस्त हो गई है, जिस कारण आए दिन वाहन चालक गिरकर चोटिल हो रहे है।

अनुजा निगम के ऋण हेतु 31 अगस्त तक किये जा सकेंगे आवेदन

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान अनुसूचित जाति जनजाति वित्त एवं विकास सहकारी निगम लिमिटेड जयपुर द्वारा जारी पत्र के क्रम में राष्ट्रीय वित्त एवं विकास निगमों के सौजन्य से क्रियान्वित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सफाई कर्मचारी वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं दिव्यांग के व्यक्तियों को विभिन्न उद्योग, व्यवसाय एवं सेवा कार्य में आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने हेतु ऋण आवेदन पत्र ऑनलाइन आमंत्रित किये जाते है। इच्छुक आवेदक स्थानीय ई-मित्र पर या स्वयं एसएसओ आईडी के माध्यम से अनुजा पोर्टल पर ऋण आवेदन पत्र दिनांक 31 अगस्त 2025 तक प्रस्तुत कर सकते हैं।

टाइगर ऑफ राजस्थान' के निर्देशक-अभिनेता बाघेला ने दर्शकों के साथ मनाया जन्मदिन

अरविंद कुमार और फिल्म के कार्यकारी प्रोड्यूसर ब्रजेश पाठक को एसआर प्रोडक्शन की ओर से मिला 'राजस्थान गौरव रत्न' सम्मान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थानी सिनेमा में एक नया इतिहास रचती फिल्म टाइगर ऑफ राजस्थान न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर सफलता का परचम लहरा रही है, बल्कि इसके कलाकार भी दर्शकों के दिलों में खास जगह बना रहे हैं। इसी क्रम में फिल्म के निर्देशक और अभिनेता अरविंद कुमार बाघेला ने रविवार को अपना जन्मदिन जयपुर के जेम सिनेमा में दर्शकों और फैंस के साथ मिलकर मनाया। इस अवसर पर दर्शकों और प्रशंसकों की भारी भीड़ उमड़ी, जिन्होंने उन्हें जन्मदिन की बधाइयां दीं। अरविंद कुमार ने अपने प्रशंसकों के साथ केक काटा और फिल्म की सफलता का श्रेय दर्शकों को दिया। उन्होंने कहा, "टाइगर ऑफ राजस्थान केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि मेरे राज्य के गौरव और परंपराओं को सलाम करने की एक कोशिश है।"

'राजस्थान गौरव रत्न' सम्मान से गए नवाजे

इस समारोह के दौरान डायरेक्टर ,अभिनेता अरविंद कुमार भगेला और फिल्म के कार्यकारी प्रोड्यूसर और राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय संगठन के ब्रजेश पाठक की एसआर प्रोडक्शन शिंपी रंधावा द्वारा राजस्थान गौरव रत्न से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें राजस्थान की संस्कृति, कला और सिनेमा को नई पहचान देने के प्रयासों के लिए प्रदान किया गया।

कलाकारों और विशिष्टजनों की उपस्थिति से सजी शाम

कार्यक्र म में फिल्म के तमाम कलाकार और सहयोगी भी मौजूद रहे, जिनमें शामिल थे, शिम्पी रंधावा, महिपाल सिंह कटारिया, अशोक बाफना, नरपत, दीपेंद्र परमार, हितेश, जैस्मीन, मान सिंह, हेमंत, हर्षित, रघुबीर सिंह, रश्मि परमार, भावना शर्मा (एजुकेशनिस्ट), दीपेंद्र सिंह परमार, हर्षित माथुर, मुमताज। फिल्म टाइगर ऑफ राजस्थान अपनी रियलिस्टिक स्टोरीलाइन, दमदार अभिनय और राजस्थानी संस्कृति के जीवंत चित्रण के लिए लगातार प्रशंसा बटोर रही है।

अष्टम शिव पार्थिव महारुद्राभिषेक 13 को, पोस्टर का विमोचन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चौमूं। विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में 13 जुलाई को आयोजित होने वाले अष्टम शिव पार्थिव महारुद्राभिषेक कार्यक्रम के पोस्टर का भव्य विमोचन चौमूं थानाधिकारी प्रदीप शर्मा द्वारा किया गया। नगेन्द्र वशिष्ठ ने बताया कि शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं तथा लोगों की आस्था को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने कार्यक्रम की तैयारी और उद्देश्य की सराहना करते हुए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी, प्रदेश संरक्षक डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, प्रदेश महासचिव बनवारीलाल शर्मा, सी.एम. सैनी, चंद्रप्रकाश शर्मा, शिक्षाविद ईश्वरदास शर्मा, मकखनलाल शर्मा, डॉ. सीताराम कुमावत, डॉ. एम.के. अग्रवाल, ओमप्रकाश रीडर, नरेंद्र शर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

लहरिया फैस्ट 23 अगस्त को, तैयारी शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान का बहुप्रतीक्षित लहरिया उत्सव-सेलेब्रिटी संस्करण इस वर्ष 23 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। एम्प्रेस क्लब हर वर्ष की तरह इस बार एम्प्रेस मीट आयोजित कर चुका है। इस दौरान क्लब सदस्यों ने महिला सशक्तिकरण के साथ बिजनेस प्रदर्शनी का भी आयोजन किया, जिसमें महिलाओं ने अपने-अपने व्यवसायों को प्रस्तुत किया। क्लब डायरेक्टर खुशबू भारद्वाज ने बताया कि इस बार लहरिया उत्सव में 1000 से 1500 महिलाएं शामिल होंगी। यह आयोजन नारी शक्ति, परंपरा और आत्मनिर्भरता का अद्भुत संगम होगा। क्लब की अध्यक्ष नीता अग्रवाल सहित क्लब की अन्य प्रमुख सदस्याएं रिया, स्मृति, शानू, तनु, दीपम, चारूल, डॉ. पवनदीप, सुनीता और बिंदु सहित कई सदस्यों ने हिस्सा लिया।

लहरिया उत्सव व पौधरोपण कर दिया पर्यावरण सुरक्षा का संदेश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान ब्राह्मण महासभा महिला प्रकोष्ठ की ओर से ब्रज किरण छात्रावास मालवीय नगर में महिला संगोष्ठी, लहरिया उत्सव और पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें ब्राह्मण मातृ-शक्तियों ने भगवान परशुरामजी की पूजा अर्चना, आरती गाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। महिलाओं ने पौधारोपण कर पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संदेश दिया। इसके अलावा महिलाओं ने लहरिया उत्सव, खेल, मनोरंजक गतिविधियों में हिस्सा लिया और विजेताओं को राजस्थान ब्राह्मण महासभा महिला प्रकोष्ठ के पदाधिकारीओं द्वारा उपहारों से सम्मानित किया गया। इसमें अशोक शर्मा जी, अध्यक्ष समृद्धि शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कंचन शर्मा व प्रमुख महामंत्री मंजरी गॉड ने ब्राह्मण महिलाओं के आत्मनिर्भरता, शिक्षा, स्वास्थ्य के लिए जागरूकता पर अपने विचार रखें। साथ ही सभी ब्राह्मण मातृ-शक्तियों पूनम अशोक, सपना, लीना, ललिता, सीमा, विजयलक्ष्मी, कुलदीप आदि द्वारा बालिकाओं की शिक्षा-संस्कार व पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए पौधारोपण कर इसे एक अभियान के रूप में चलाने का संकल्प लिया गया।

10 मिनट की बारिश में ही भरा पानी, महादेव मंदिर के बाहर गंदे पानी का बना कुण्ड

जयपुर @ जागरूक जनता। सांगानेर उपखण्ड क्षेत्र के लाखना पंचायत के श्रीरामपुरा गांव में धानका मौहल्ले में महादेव मंदिर और सरकारी विद्यालय के पास रोड पर सड़क किनारे बनी नाली की लंबे समय से सफाई नहीं हुई है। इससे इस नाली में कचरा जमा होने से पानी की निकासी नहीं हो पाती है। पानी की निकासी नहीं होने से थोड़ी सी बारिश होने पर इस सड़क पर नालियों का गंदा पानी सड़क पर बहने लगता है। स्थानीय निवासी रतन कटारिया और विजय बैरवा ने बताया की महादेव के भक्तों को पूजा पाठ करते समय आ रही है बदबू ओर स्कूल के टीचर, बच्चो को पढ़ाई करते समय खिड़की के पास से गंदा पानी की बदबू मार रही है कम से कम भगवान के स्थल पर तो साफ सफाई रहनी चाहिए।इस मार्ग से रोजाना गुजर रहे वाहन चालको को गंभीर हादसा होने की संभावना बनी रहती है इससे इस सड़क किनारे रहने वाले लोगों, दुकानदारों और कॉलोनी में जाने वाले रास्ते से लोगों को निकलने में परेशानी होती है। रविवार को रात करीब 3.30 बारिश शुरू हो गई। करीब 10 मिनट बाद बारिश बंद हो गई। 10 मिनट की हल्की बारिश के बाद ही धानका मौहल्ले रोड पर स्थित सड़क के किनारे नाली अवरुद्ध होने से पानी ओवरफ्लो होकर बहने लगा। इससे लोगों को निकलने में परेशानी हुई। बारिश की वजह से छात्र-छात्राओं को स्कूल से बाहर आने में भारी परेशानी होती है। इस रोड पर यदि तेज बारिश होती है तो घुटने-घुटने पानी भर जाता है। बारिश होने से नाली में जमा गंदगी सड़क पर फैल गई। इससे लोगों को भारी परेशानी हुई। वहीं सड़क पर फैल रहा गंदा पानी पैदल राहगीरों की परेशानी का कारण बना। स्थानीय रहवासियों, छात्र-छात्राओं के माता-पिता ने प्रशासन से इस सड़क के किनारे बनी नालियों की सफाई करने की बात कही है।

गुरु पूर्णिमा विशेष : फिल्मों के कुछ प्रतिष्ठित गुरुओं को याद करें, जिन्होंने हमें प्रेरित कर आगे बढ़ाया

फिल्मों ने जीवंत की हमारी गुरु-शिष्य परम्परा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भारतीय संस्कृति में अत्यधिक महत्व का दिन होता है गुरु पूर्णिमा का दिन। जिसे व्यास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है, हिंदुओं, बौद्धों और जैनियों द्वारा मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्योहार है। यह हमारे शिक्षकों, गुरुओं और आध्यात्मिक मार्गदर्शकों को सम्मान देने और उनके प्रति आभार व्यक्त करने का दिन है। फिल्मी दुनिया में ऐसे कई किरदार और अभिनेता हुए हैं जिन्होंने गुरु की भूमिका निभाई और दर्शकों पर अमिट प्रभाव छोड़ा। गुरु पूर्णिमा के इस शुभ अवसर पर, आइए फिल्मों के कुछ प्रतिष्ठित गुरुओं को याद करें जिन्होंने हमें प्रेरित किया है और हमारे आदर्श बन गए हैं।

इस गुरु पूर्णिमा पर, आइए हम न केवल स्क्रीन पर दिखाए गए गुरुओं को याद करें और उनके प्रति आभार व्यक्त करें, बल्कि अपने वास्तविक जीवन के शिक्षकों, गुरुओं और आध्यात्मिक मार्गदर्शकों के प्रति भी आभार व्यक्त करें जिन्होंने हमारी व्यक्तिगत यात्राओं में हमारा मार्गदर्शन किया है। यह उनका ज्ञान, समर्थन और मार्गदर्शन है जिसने हमारे जीवन को आकार देने और हमें वह बनाने में मदद की है जो हम आज हैं। आज हमें भी गुरु चरणों में वंदन करना चाहिए।

राघवेंद्र स्वामी: श्री मंत्रालय राघवेंद्र स्वामी महत्यम्

जीवनी पर आधारित फिल्म 'श्री मंत्रालय राघवेंद्र स्वामी महत्यम्' 16वीं सदी के हिंदू संत और दार्शनिक राघवेंद्र स्वामी के जीवन पर आधारित है। रजनीकांत द्वारा अभिनीत, राघवेंद्र स्वामी का चरित्र हमें उनके अटूट विश्वास, निस्वार्थता और मानवता के कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता से प्रेरित करता है। फिल्म में उनकी शिक्षाओं, चमत्कारों और उनके शिष्यों की भक्ति को खूबसूरती से दर्शाया गया है।

अन्नमय्या: भक्ति का संदेश

समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्म 'अन्नामय्या' में अक्किनेनी नागार्जुन द्वारा अभिनीत, अन्नामय्या का चरित्र 15वीं सदी के कवि, संत और संगीतकार अन्नामचार्य पर आधारित है। अपनी भक्ति और समर्पण के माध्यम से, अन्नमय्या भगवान वेंकटेश्वर के शिष्य बन जाते हैं और आत्मा को झकझोर देने वाले संगीत के माध्यम से उनकी शिक्षाओं का प्रसार करते हैं। अन्नमय्या का चरित्र हमें अटूट विश्वास और भक्ति संगीत की शक्ति का महत्व सिखाता है।

'केयर ऑफ़ फ़ुटपाथ'

इस फ़िल्म ने 2006 में रिलीज़ होने से पहले बहुत शोर मचाया था। इसका निर्देशन दुनिया के सबसे कम उम्र के फ़िल्म निर्माता किशन श्रीकांत ने किया था, जो उस समय नौ साल के थे। यह एक अनाथ लड़के की शैक्षिक यात्रा और उसे गोद लेने वाली एक बूढ़ी महिला के साथ उसके बंधन की कहानी है। निर्देशन की खूबसूरती झलकती है।

आदित्य: व्यक्तित्व विकास का पाठ

परामर्श और व्यक्तिगत विकास की इस प्रेरक कहानी में, वेंकटेश बुद्धिमान गुरु के रूप में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जो आदित्य और रामेश्वरी दोनों में क्षमता को पहचानते हैं। उनके मार्गदर्शन से, आदित्य की कठोर प्रशिक्षण शैली में सुधार हुआ, जिससे रामेश्वरी की प्रतिभा निखर कर सामने आई। शिष्या रामेश्वरी का किरदार निभाने वाली प्रतिभाशाली अभिनेत्री रितिका सिंह, चरित्र की शत्रुता से कृतज्ञता व सफलता तक की यात्रा का प्रतीक है। चित्रण सजीव ढंग से किया गया है।

पाठशाला: शिक्षा प्रणाली पर कटाक्ष

पाठशाला एक ऐसी फिल्म है, जो भारतीय शिक्षा प्रणाली पर सवाल उठाती है। पाठशाला आज की शिक्षा प्रणाली की पवित्रता से जुड़े ऐसे ही कई सवालों के जवाब देने की कोशिश करती है। पाठशाला वर्ष 2010 में रिलीज हुई एक बॉलीवुड ड्रामा है, जिसका निर्देशन मिलिंद उके ने किया है। फिल्म में शाहिद कपूर, आयशा टाकिया, श्रद्धा आर्या, अली हाजी, सुशांत सिंह, नाना पाटेकर आदि मुख्य भूमिका में नज़र आये।

ब्लैक: छोड़ी अनूठी छाप

हेलन केलर (रानी मुखर्जी)और उनके शिक्षक (अमिताभ बच्चन) के जीवन पर आधारित, ब्लैक एक ऐसी फिल्म है जिसने न केवल कहानी बल्कि अभिनय से भारतीय सिनेमा पर अपनी छाप छोड़ी है। फिल्म की बात करें तो, बता दें कि, ब्लैक में रानी मुखर्जी ने एक ब्लाइंड लड़की का किरदार निभाया था। फिल्म में उनके किरदार को आम इंसान की तरह जीने की चाह थी। अमिताभ ने फिल्म में देवराज का किरदार निभाया था जो एक टीचर थे।

राचसी: शिक्षा-सुधार के लिए संघर्ष

सीगौतमराज द्वारा निर्देशित, यह फिल्म हेडमास्टर गीता रानी (ज्योतिका) पर आधारित है, जो खराब चल रहे सरकारी स्कूल को राज्य के सबसे अच्छे स्कूलों में से एक में सुधारने के लिए विभिन्न योजनाओं को लागू करती है। उसे कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जिसमें एक भ्रष्ट विधायक का हस्तक्षेप भी शामिल है।

तारे ज़मीन पर: अनूठा बंधन है ये

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान द्वारा निर्देशित यह फिल्म आठ साल के ईशान पर आधारित है, जो डिस्लेक्सिक है। आलसी समझकर उसे एक बोर्डिंग स्कूल में भेज दिया जाता है। वहां, उसके कला शिक्षक उसे अपने संरक्षण में लेते हैं और दोनों के बीच एक विशेष बंधन विकसित हो जाता है।

पुरानी कृषि उपज मंडी समिति परिसर में शिफ्ट होगा बूंदी रोडवेज बस स्टेण्ड

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बूंदी। बूंदी शहर के मध्य स्थित पुराने रोडवेज बस स्टैण्ड को आखिरकार स्थानांतरित करने का रास्ता साफ हो गया हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रयासों से अब बूंदी बस स्टैंड को लंकागेट स्थित पुरानी कृषि उपज मंडी समिति परिसर में शिफ्ट किया जाएगा।

परिवहन विभाग की शासन सचिव शुचि त्यागी ने इस संबंध में आदेश जारी कर भूमि निःशुल्क फ्री होल्ड आधार पर आवंटित करने की एनओसी जारी कर दी हैं। इससे जहां शहर के भीड़ भाड़ वाले क्षेत्र को जाम से राहत मिलेगी, वहीं यातायात व्यवस्था भी सुगम होगी। वर्तमान में इस मार्ग से हजारों वाहन गुजरते हैं, जिससे अस्पताल, कलक्ट्रेट और स्कूल जैसे सार्वजनिक स्थानों पर बार-बार जाम की स्थिति बनती थी। मंडी के कुंवारती शिफ्ट होने के बाद से शहर के बीचो बीच स्थित बस स्टैण्ड को पुरानी मंडी में शिफ्ट करने की लंबे समय से मांग चली आ रही थी। कई बार अममंजस की स्थिति बनी। लेकिन अब सरकार के आदेश के बाद बस स्टैंड को भूमि देने का रास्ता साफ हो गया है।

पुरानी कृषि उपज मंडी में नए बस स्टैण्ड के निर्माण का भी रास्ता साफ हो गया हैं। जल्द ही इसकी प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। बस स्टैंड के स्थानांतरण के बाद खाली होने वाली भूमि का उपयोग अन्य विकास कार्यों के लिए किया जाएगा। इससे शहर का ढांचागत विकास और प्रशासनिक सुविधा दोनों ही सशक्त होंगी।

एसकेएनएयू के कुल सचिव देवेंद्र चौहान पद से बेदख़ल, परिवाद दर्ज

जोबनर @ जागरूक जनता। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनर में प्रशासनिक अनुशासन को लेकर एक बड़ा और निर्णायक कदम उठाया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने कार्यवाहक कुल सचिव देवेंद्र चौहान को विश्वविद्यालय अधिनियम 2013 की धारा 27(1) के उल्लंघन और गंभीर अनुशासनहीनता के आरोप में तत्काल प्रभाव से कार्य से बेदख़ल कर दिया है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, देवेंद्र चौहान ने 26 मई 2025 को कार्यवाहक कुल सचिव का कार्यभार ग्रहण किया था। लेकिन इसके तुरंत बाद उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन में बिना वैधानिक अनुमति के हस्तक्षेप करना शुरू कर दिया। चौहान पर आरोप है कि उन्होंने विश्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव डॉ. देवाराम बाजिया को रात्रि में व्हाट्सऐप कॉल कर धमकी दी, विजिलेंस कमेटी के बोर्ड द्वारा लिए गए सर्वसम्मत निर्णय को स्वयं निरस्त कर आदेश जारी कर दिए, और रात के समय बिना अधिकृत अनुमति के कुलसचिव कार्यालय से फाइलें मंगवाईं।

मशहूर सिंगर डॉ. समीर शर्मा को लाइफ टाइम अचीवमेंट से नवाजा

जयपुर @ जागरूक जनता। आराधना म्यूजिकल ग्रुप की ओर से हुए कार्यक्रम जीत की बीट में शहर के मशहूर सिंगर डॉ. समीर शर्मा को लाइफ टाइम अचीवमेंट से नवाजा गया। उन्हें यह अवॉर्ड आराधना ग्रुप के संस्थापक अभिषेक माथुर, अध्यक्ष भरत जोशी, संरक्षक कमल प्रकाश सक्सेना एवं राजीव कुमार ने शॉल उड़ाकर एवं पचरंगी साफा पहनाकर प्रदान किया गया। गौरतलब है कि वॉइस ऑफ राजस्थान के सफल आयोजन के बाद कार्यक्रम जीत की बीट रखा गया। कार्यक्रम में ग्रुप के सदस्यों के अलावा कई अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान कई सदस्यों ने अपनी मंच प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि डॉ.समीर शर्मा सैम अपनी संगीत यात्रा के बारे में बताया एवं संगीत की बारीकियों से मार्गदर्शन किया।

सेवा महातीर्थ में कल गुरुपूर्णिमा महोत्सव

उदयपुर @ जागरूक जनता। नारायण सेवा संस्थान में गुरुवार को गुरुपूर्णिमा महोत्सव हर्षोल्लास व श्रद्धापूर्वक मनाया जाएगा। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि संस्थान के लियों का गुड़ा स्थित सेवा महातीर्थ परिसर में अपराह्न 3 बजे आयोजित महोत्सव में संस्थापक पद्मश्री अलंकृत कैलाश 'मानव' का वंदन-अभिनंदन कर उनसे आशीर्वाद लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस अवसर भगवान वेदव्यास की पूजा भी सम्पन्न होगी। कार्यक्रम में देश के विभिन्न भागों से संस्था सहयोगी, शाखाओं के प्रभारी एवं निःशुल्क सर्जरी व कृत्रिम अंग प्राप्त करने आए दिव्यांग व उनके परिजन भी शामिल होंगे।

राजकीय उच्च माध्य. विद्यालय तीन अध्यापकों के भरोसे

बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

गुडामालानी। विधानसभा क्षेत्र गुड़ामालानी के ग्राम पंचायत पूजाबेरी के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में तीन स्टाफ के भरोसे बच्चों का भविष्य बच्चों के अभिभावकों ने विद्यालय के गेट पर धरना प्रदर्शन पर प्रशासन को अवगत करवाया। नाराज़गी जताते हुए ग्रामीणो ने सरकार और प्रशासन को विद्यालय में समय रहते स्टाफ की पूर्ति करें। नहीं तों सभी ग्रामीण विद्यालय के गेट के आगे धरने पर बैठेंगे। समाज सेवी विश्नोई रामजीवण ने बताया कि हमारे क्षेत्र के आस पास में केवल एक ही सैकेंडरी विद्यालय है। स्टाफ नहीं होने से बच्चों की पढ़ाई पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है, बिना स्टाफ कैसे पढ़ेंगे बच्चे पढ़ाई की उम्मीद लगाकर विद्यालय आते हैं लेकिन निराश होकर वापस जाना पड़ता बच्चों को। ग्रामीणों ने बताया कि बच्चों के भविष्य के साथ सरकार कर रही है खिलवाड़। पोकराराम कड़वासरा, भावेश डगला, रामाराम गोदारा, भैराराम जाखड, रावताराम जाखड़, उदाराम, डालुराम, पुनमाराम कड़वासरा, प्रभु राम कड़वासरा, रतनसिह किशनाराम बोला, पांचाराम बोला आदि कई ग्रामीणों ने विद्यालय गेट के आगे किया प्रदर्शन।

कैट ने किया गैलंट्री अवार्ड जारी, सुशील शर्मा को मिलेगा शहीद का दर्जा

राजस्थान के भरतपुर जिले के वैर का है मूल निवासी है शहीद सुशील कुमार शर्मा, 26/11 आतंकवादी हमले में सैकड़ों लोगों की बचाई थी जान

मुंबई सीएसटी रेलवे स्टेशन पर सहायक मुख्य टिकट निरीक्षक पद पर थे तैनात

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भुसावर। राजस्थान मूल के भरतपुर जिले की लघुकाशी के नाम से प्रसिद्ध वैर कस्बे के नगायच परिवार के स्वर्गीय बी डी नगायच पुत्र स्वर्गीय रामजी लाल नगायच के सबसे छोटे पुत्र सुशील कुमार शर्मा का26/11 को मुम्बई आतंकी हमले में अपना देशहित में कर्तव्य निर्वहन करते हुए अनेकों लोगों का जीवन सुरक्षित करते हुए स्वयं आतंकवादियों की गोली का निशाना बन गये थे।

26/11 को सम्पूर्ण देश याद रखेगा?

26 नवंबर 2008 यह वह तारीख है जिसे मुंबई सहित पूरा देश कभी भुला नहीं पाएगा ,आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयवा के कसाब सहित 10 आतंकियों ने मुंबई पर खौफनाक हमले किए इस आतंकी हमले में कई लोगों की जान गई । उनमें राजस्थान मूल के ग्वालियर निवासी सुशील कुमार शर्मा भी थे ।

सपूत के सम्मान में इसलिए होती गई देरी

आतंकी अटैक के समय सुशील शर्मा मुख्य टिकट निरीक्षक के कार्यालय से निकलकर कंट्रोल रूम पहुंचे और आने वाली कई ट्रेनों को स्टेशन के बाहर ही रोकने का अनाउंसमेंट किया इससे कई पैसेंजर की जान बच गई लेकिन वह स्वयं शहीद हो गए ,जबकि वह यह शहादत दो वर्ष की समय सीमा पूरा होने के कारण भारत सरकार के कागजों में दर्ज नहीं हो पाई । ग्वालियर के सिटी सेंटर पटेल नगर स्थित ग्रीन गार्डन स्टेट में रहने वाले सुशील के परिजन वर्ष 2010 में इस मामले को लेकर कैट में गए। कैट ने तब भी सुशील शर्मा को गैलंट्री अवॉर्ड दिए जाने के आदेश दिए थे । लेकिन रेलवे की तरफ से समय रहते जवाब नहीं दिया और इस सम्मान से वह वंचित हो गए। परिजनों ने वर्ष 2011 में कंटेंप्ट फाइल किया तब से विभिन्न प्रक्रि याओं के चलते मामला चलता रहा इस वर्ष बीते मार्च-माह में मामले की फाइनल सुनवाई हुई , जिसके तहत कुछ दिन पहले कैट ने अपना आदेश जारी किया।

मुंबई सीटीसी रेलवे स्टेशन

सुशील शर्मा मुंबई सीएसटी रेलवे स्टेशन पर बतौर सहायक मुख्य टिकट निरीक्षक डिप्टी सीटीआई ड्यूटी कर रहे थे आतंकी अटैक के वक्त उन्होंने खुद की जान बचाने की जगह पैसेंजर की जान बचाने का फैसला लिया और कंट्रोल रूम से बाहर निकाल कर कई पैसेंजरों की जान बचाई, इसी दौरान आतंकवादियों की दो गोली लगने के कारण उनकी जान चली गई थी। बावजूद इसके उनकी शहादत को कोई नाम नहीं मिला। क्योंकि वे वर्दीधारी जवान नहीं बल्कि रेलवे के अधिकारी थे, सुशील शर्मा के परिवारजन इस मामले को लेकर सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेशन ट्रिब्यूनल कैट पहुंचे इस घटना के 17 साल बाद अब कुछ दिन पहले कैट ने अपने दिए आदेश में सुशील शर्मा को शाहिद मानते हुए उन्हें गैलंट्री अवॉर्ड में दिए जाने के लिए निर्देश भारत सरकार को दिए हैं इस आदेश के आने पर सुशील शर्मा के परिजनों का कहना है कि वह जिस सम्मान के हकदार थे वह अब उन्हें मिल सकेगा।

पत्नी को मिली रेलवे में अनुकंपा नियुक्ति 30 जून 2025 को हुई सेवा निवृत्त

घटना के बाद रेलवे ने सुशील शर्मा की पत्नी रागिनी शर्मा को अनुकंपा नियुक्ति दी करीब 15 साल की ड्यूटी के बाद वह गत मास 30 जून को सेवानिवृत हो गई अनुकंपा नियुक्ति के समय रेलवे द्वारा 10 लख रुपए भी उनकी पत्नी को बतौर क्षतिपूर्ति के दिए थे लेकिन कैट द्वारा जारी आदेशों में उन्हें अब शाहिद माना गया है इसलिए उसे स्थिति में नियमानुसार 15 लख रुपए दिए जाने चाहिए थे लिहाजा शेष 5 लख रुपए भी दिए जाने के आदेश कैट ने दिए।

क्या है कैट

सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेशन ट्रिब्यूनल कैट एक विशेष अदालत है जो केंद्र सरकार के लिए काम करने वाले सिविल सेवकों की मदद करती है।

गैलंट्री अवॉर्ड का आदेश

राजस्थान मूल के ग्वालियर में रहने वाले सुशील शर्मा मुंबई सीएसटी रेलवे स्टेशन पर स्थापित थे आतंकी अटैक के समय उन्होंने कई पैसेंजरों की जान बचाई और इस दौरान गोली लगने से उनकी मृत्यु हो गई थी लेकिन उनकी मृत्यु को शहीद नहीं माना गया इसलिए उनके परिजन कैट में मामला लेकर पहुंचे थे केस की सुनवाई के दौरान रेलवे ने भी सुशील शर्मा की मृत्यु को वीरता बताया कैट ने सुशील शर्मा को गैलंट्री अवॉर्ड व शेष बचे 5 लाख रुपए उनकी पत्नी को दिए जाने का आदेश दिया है।

- **आलोक शर्मा** एडवोकेट

परिवार में हर्ष की लहर

राजस्थानी भूमिका सपूत लघुकाशी के नाम से प्रसिद्ध कस्बे के नगायच परिवार में जन्मे निर्भीक जो कभी डरता नहीं था। अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित रहने वाला देश का सपूत चाहे वह नागरिक देश में हो या फिर फौजी भेष में मैं देश का भारत माता के लिए सच्चा सपूत होता है भाई सुशील शर्मा ने आतंकी अटैक में लोगों की जान बचाकर यही संदेश दिया था कैट का जो आदेश आया उससे हमारे पूरे परिवार में हर्ष का माहौल है भाई जी सम्मान के हकदार थे वह अब उन्हें मिल सकेगा डॉ एम के शर्मा।

जो पुजारी बन रहै है सरकार उन्हें आरक्षण मुक्त करें-पाराशर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सीकर। पुजारी महासंघ की एक बैठक शहर के परशुराम भवन में आयोजित हुई। जिसमें गणमान्य सन्त समाज एवं राजनैतिक परिपेक्ष से भी महानुजन पधारे, जिनमे प्रमुख बी. जे. पी. संयोजक राधेश्याम उपाध्याय ने कहा पुजारीयों की चिंता मुख्यमंत्री जी को भी है, आप सभी की तकलीफे मुझे लिख देवें, मैं मुख्यमंत्री जी से बात कर आपकी बात रखूंगा। सनातन संस्कृति रक्षक संस्थान के सचिव कस्तूर चंद मिश्रा और महासंघ के राष्ट्रीय प्रभारी पुजारी महासंघ सुभाष पाराशर ने कहा कि आज समय - परिस्थिति के अनुसार सभी जाति वर्ग के लोग पुजारी बन रहे है यह बड़ी अच्छी बात है, पूजा करने वाले शत-प्रतिशत ब्राह्मण ही होते थे, वर्ग विशेष की जाति उसके कर्म के अनुसार होती थी न की जन्म से अतः मैं यह कहूंगा की जो पूजा पाठ करते है वो ब्राह्मण श्रेणी में आते है आप सभी से निवेदन करता हूँ आप ब्राह्मण बनकर ही पूजा करें, जो काई भाई दलित या ओ.बी.सी. से पुजारी बना है तो उन्हें अब आरक्षण नहीं मिलना चाहिए, सरकार को चाहिए उन्हें ब्राह्मण उच्च श्रेणी में डालें। साथ ही, पुजारी, साधु-संत जो सनातन की रक्षा के लिए कार्य कर रहे है, उन्हें प्रतिमाह 10 हजार रुपए सहायतार्थ दिया जाए।

गुरू पूर्णिमा महोत्सवः कंचन धाम आश्रमों में हर्षोल्लास से होगी गुरू गद्दी पूजा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

खटकड़/गोवर्धन। भारतीय संस्कृति के अनुसार श्रावण माह के प्रारंभ में आने वाली गुरुपूर्णिमा को व्यास-पूजा की परम्परा चली आ रही है। इसे गुरु पूर्णिमा महोत्सव के रूप में मनाया जाता है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गोलोकवासी गोवर्धन पीठाधीश्वर श्रीकृष्णदास कंचन महाराज द्वारा स्थापित आश्रमों में हर्षोल्लास के साथ गुरु गद्दी पूजा का आयोजन किया जा रहा है। बूंदी लाखेरी मार्ग पर गैंडोली ग्राम के पास स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग कंचनधाम आश्रम में श्रीकंचन धाम सेवा समिति द्वारा गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार 10 जुलाई को प्रातः 8 बजे संध्याकाल तक गुरुवंदन एवं भजन, प्रातः 10 बजे से संध्याकाल तक तथा दोपहर 12 बजे से सायं 5 बजे तक भोजन प्रसादी का आयोजन किया जा रहा है।

दानघाटी: इसी प्रकार श्रीकृष्णदास कंचन महाराज का गोवर्धन दानघाटी स्थित रामानंद आश्रम में हर्षोल्लास के साथ गुरु पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। आश्रम संचालक श्रीराम अनुग्रहदास महाराज ने बताया कि गुरुपूजन, व्यास गद्दीपूजा, हवन, संतों का पूजन-प्रसादी एवं भंडारा आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इससे पूर्व कंचन बालाजी मंदिर में बालाजी का अभिषेक कार्यक्रम आयोजित होगा।

आन्यौर : गोवर्धन परिक्रमा मार्ग में आन्यौर के कंचनधाम आश्रम में भी गुरु पूजन धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। कानपुर से यहां श्रीकृष्णदास कंचन महाराज के शिष्य बड़ी संख्या में पूजा करने आते हैं। यहां भी पूरे दिनभर पूजन और भंडारा कार्यक्रम चलेगा।

श्रीनाथ आश्रम का हुआ जीर्णोद्धार

हर्षोल्लास से होगा व्यास पूजा कार्यक्रम

जयपुर @ जागरूक जनता। अंबाबाड़ी स्थित श्रीनाथ आश्रम में गुरुपूजन कार्यक्रम हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। इस दौरान व्यास पूजा और गुरूपूजन कार्यक्रम प्रातः से ही प्रारंभ हो जाएगा और दोपहर बाद श्रद्धालुओं को भंडारा प्रसादी आयोजित होगी। आश्रम संचालक नवेनाथ महाराज ने बताया कि पिछले 28 वर्षों से यहां श्रीनाथ का धूणा प्रज्जवलित हो रहा है। इस समय पिछले 4 माह से आश्रम का जीर्णोद्धार कार्यक्रम जारी है। जीर्णोद्धार का पुनीत कार्य समाजसेवी पं. रामकिशन शर्मा द्वारा करवाया जा रहा है। जीर्णोद्धार में श्रीनाथजी का धूणा, 3 कमरे, रसोईघर, गोरखनाथजी का धूणा, दक्षिणमुखी हनुमानजी का मंदिर, शिव परिवार (शिवालय) का कार्य चल रहा है। इनमें से बहुत कुछ कार्य पूर्णता की ओर है। महाराज नवेनाथ ने बताया कि भविष्य में आश्रम में कंचन गौशाला, कंचन वृद्धाश्रम एवं अन्य सेवाएं संचालित करने की योजना है।

जागरूक खबरें

हिम्मत भाजपा जिला सोशल मीडिया प्रभारी बने

सिरोही @ जागरूक जनता। वर्तमान में सिरोही जिला भाजपा जिला कार्यकारिणी की घोषणा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं जिलाध्यक्ष रक्षा भंडारी के नेतृत्व में की गई। जिसमें नया सानवाड़ा के हिम्मत छिपा को जिला सोशल मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है।

किसान 31 तक करा सकते हैं खरीफ फसल का बीमा

जैसलमेर @ जागरूक जनता। राज्य सरकार ने खरीफ 2025 के लिए फसल बीमा अधिसूचना जारी कर दी है। जिले के लिए खरीफ 2025 मे फसलों का बीमा करने के लिए एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लि. को अधिकृत किया है। किसान खरीफ फसल के लिए 31 जुलाई तक प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत बीमा करवा सकते है। अधिसूचित खरीफ फसले बाजरा, मूंगफली, ग्वार, मूंग, मोठ, तिल और ज्वार कुल 7 फसलो एवं पुर्नगठित मौसम आधारित खरीफ 2025 मे जैसलमेर जिले के लिए अरण्डी,अनार व खजुर को जोडा गया का बीमा होगा।

फसलों एवं मानव स्वास्थ्य के लिए आवश्यक जिंक- डॉ. कर्नाटक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के संघटक अनुसंधान निदेशालय में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला एमपीयूएटी, उदयपुर व अन्तर्राष्ट्रीय जिंक संस्था एवं हिन्दुस्तान जिंक के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित की गई। डॉ. अरविन्द वर्मा, अनुसंधान निदेशक ने अपने स्वागत उद्बोधन में बताया कि जिंक फसलों और मानव स्वास्थ्य दोनों के लिए एक आवश्यक पोषक तत्व है। पौधों में, जिंक एंजाइमों और हार्मोन के उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो विकास के लिए आवश्यक हैं। डॉ. सौमित्रा दास, निदेशक, एशिया पेसेफिक, अन्तर्राष्ट्रीय जिंक संस्था, नई दिल्ली ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने जिंक का फसलों पर उपयोग कर खाद्य एवं पोषण सुरक्षा में अहम योगदान प्रदान किया।

अन्तर्राष्ट्रीय जिंक संस्था विश्व के अनेक देशों में जहां पर कुपोषण की समस्या है, वहां पर कार्य कर रही है। जिंक एवं आयरन कुपोषण की समस्या को समाप्त करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करते है तथा शरीर को स्वस्थ्य बनाते है। हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड से सृष्टि अरोडा, अंशुल नेगी, प्रोद्युत गोराई, इन्द्रा दास भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक, कुलपति, एमपीयूएटी, उदयपुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को धन्यवाद प्रदान किया एवं उन्होंने कहा कि जिंक के उपयोग फसलों पर किए गए अनुसंधान कार्य आने वाले समय में फसलों में जिंक के महत्व और उपयोग के लिए काफी मदद करेगा तथा यह कुपोषण की समस्या को कम करने में अपना अहम योगदान देगा। जिंक न केवल फसलों की लिए ही उपयोगी बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी यह उपयोगी है। डॉ. कर्नाटक ने बताया कि देश की लगभग 48 प्रतिशत भूमि में जिंक की कमी है। विश्व के लगभग 30% बच्चें जिंक की कमी से ग्रसित है, इसलिए हमें बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिए जिंक का उपयोग अतिआवश्यक है जिंक का उपयोग मानव स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी होता है। डॉ. एस. के. शर्मा, सहायक महानिदेशक, मानव संसाधन, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने जिंक के फसलों के उपयोग पर अपने अनुभवों को ऑनलाईन साझा किया। डॉ. देवेन्द्र जैन, सहायक आचार्य, राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर ने परियोजना के तीन वर्षो के अनुसंधान कार्य को पावर पॉइन्ट प्रेजेंटेशन के माध्यम से बताया। डबोक एवं मदार के किसानों को जैव उर्वरक भी वितरित किया गया। कार्यक्रम संचालन डॉ. लतिका शर्मा तथा धन्यवाद डॉ. सुभाष मीणा, परियोजना प्रभारी जिंक प्रोजेक्ट ने अदा किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के लगभग 100 अधिकारीगण, वैज्ञानिक, छात्र-छात्राओं एवं किसानों ने भाग लिया।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर बहुउद्देश्यीय फाउंडेशन

पौधे मिले तो चेहरे खिले

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। डॉ. भीमराव अम्बेडकर बहुउद्देश्यीय फाउंडेशन के तत्वावधान में पौधारोपण कार्यक्रम लगातार जारी है। लगातार हो रहे पौधारोपण कार्यक्रम को लेकर लोगों में उत्साह भी बढ़ता जा रहा है। कलेक्ट्रेट, प्रतापनगर क्षेत्र में किये गये पौधा वितरण के बाद रविवार को सुभाष चौक पर पौध वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसे लेकर ग्रामीणों और आमजन में भारी उत्साह देखा गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण पौधे लेने के लिए उमड़ पड़े।

संस्था के संस्थापक मनोज कुमार बैरवा ने बताया कि सुभाष चौक पर किये गये पौध वितरण कार्यक्रम में सहयोग कर्ता द संगीत बैंड के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में आम, जामुन, बादाम, नीम, कटहल, आंवला, सीताफल, बिल्वपत्र, पीपल, शीशम, बरगद, अनार, गुलमोहर, मीठा नीम आदि के 1 हजार 500 पौधों का वितरण किया गया। वन विभाग के वन रक्षक किशोर खोईवाल ने बताया कि 8 से 10 फीट ऊंचाई के पौधो को लेकर काफी होड़ देखी गई। वहीं इस मौके पर मौजूद कैलाश भांड और विष्णु खटीक सहित कार्यक्रम संयोजक गणपत नायक, कोषाध्यक्ष निर्मल कुमार खटीक आदि ने पौधा लेने वाले लोगों को पौधे की सार संभाल करने और बड़ा होने तक उसकी रक्षा करने की शपथ भी दिलाई। ग्रामीणों में बढ़ते उत्साह को देखते हुए रविवार 1 हजार 500 पौधों का वितरण किया गया।

एक दिव्यांग के खड़े होने का मतलब परिवार का खड़ा होना

नारायण सेवा में आत्मीय स्नेह मिलन समारोह

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान के तत्वावधान में सेवामहातीर्थ लियों का गुड़ा में आत्मीय स्नेह मिलन सम्पन्न हुआ। जिसमें देश के विभिन्न प्रान्तों के संस्थान सहयोगियों व शाखा संयोजकों ने भाग लिया। दीप प्रज्वलन के साथ उद्घाटन संस्थापक पद्मश्री कैलाश 'मानव' ने किया। विशिष्ट अतिथि भूपेंद्र पटेल अहमदाबाद, नंद किशोर गोयल पाली व मुम्बई के आदाराम भाटिया थे। अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने संस्थान की 40 वर्ष की सेवा यात्रा का जिक्र करते हुए बताया कि करीब 5 लाख दिव्यांगजन निःशुल्क सर्जरी एवं कृत्रिम अंग के सहारे खड़े होकर आत्मनिर्भर बनकर अपनी गृहस्थी चला रहे हैं। सम्मेलन में मध्यप्रदेश के सागर में रहने वाले दिव्यांग देवेंद्र कुमार ने बताया कि संस्थान ने उसे न केवल ऑपरेशन के माध्यम से उसके पैरों को ताकत दी बल्कि उसे रोजगार से जोड़कर उसके परिवार को सम्बल प्रदान किया। रामनगर, उत्तराखंड की निकिता ने बताया कि वह जन्मजात पोलियो ग्रस्त है। घिसटकर चलती थी। लेकिन संस्थान ने उसे सर्जरी व कैलिपर्स के सहारे खड़ा किया और आगामी अगस्त में संस्थान के माध्यम से ही उसका विवाह भी सम्पन्न होने वाला है। सम्मेलन में संस्थापक कैलाश 'मानव', अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, निदेशक वन्दना अग्रवल व पलक अग्रवाल ने भामाशाहों को शॉल, उपरना व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान 31 तक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चूरू। नगर पालिका तारानगर द्वारा 2 से 31 जुलाई तक पूरे शहर में सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान चलाया गया है। अभियान स्वच्छ भारत मिशन शहरी के तहत स्वच्छता को जन आंदोलन बनाना है। पालिका अधिशासी अधिकारी अजय प्रताप सिंह ने बताया कि अभियान का फोकस जन जनित और वेक्टर जनित बीमारियों को फैलने से रोकना है। इसके लिए घर-घर हर गली हर मोहल्ले को टारगेट किया गया। अभियान में स्कूल कॉलेज मोहल्ले समितियां वार्ड पार्षद वार्ड स्तर पर भी जन जागरूकता रैली एवं गतिविधियां चलाई जाकर अभियान को सफल बनाया जाएगा। किसी भी सफाई समस्या को लेकर तुरंत स्वच्छता एप से शिकायत करें।

शहर में निकला चेहलुम के ताजियों का जुलूस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौडगढ़। जिला मुख्यालय पर मुस्लिम समाज द्वारा शहर में हर वर्ष की तरह कर्बला के 72 शहीदों की याद में रविवार को ताजियों का जुलूस निकाला गया। जो सुबह करीब 10 बजे आरम्भ हुआ। इमाम बाड़ा, लौहार मोहल्ला से निकला ताजियों का जुलूस कपड़ा बाजार, ढूंचा बाजार होते हुए गांधी चौक पहुंचा, जहां शाम को दुर्ग से पहुंचे ताजिए और लौहार मोहल्ला के ताजिए की सलामी रस्म अदा की गई। इस दौरान मार्ग में कई स्थानों पर शरबत, शीतल जल सहित विभिन्न खाद्य पदार्थ वितरित किए गए। ताजियों का सामूहिक जुलूस गांधी चौक से धीरे धीरे डीजे की मातामी धूनों और ढोल नगाड़ों के साथ चलता हुआ गोल प्याऊ चौराहा पहुंचा। जहां युवाओं द्वारा या हुसैन या हुसैन के नारों के साथ हैरत अंगेज अखाड़ा प्रदर्शन किया गया। गोल प्याऊ चौराहे पर हजारों अकीदतमंदो ने ताजियों पर इमाम हुसैन की याद में फातेहा पेश कर अकीदत की फूल चढ़ाए। ताजियों का जुलूस देर रात सुभाष चौक होकर बेड़च नदी स्थित कर्बला पहुंच कर सम्पन्न हुआ, जहां ताजियों को नदी में ठंडा किया गया। ताजियों के जुलूस में महिलाओं, बच्चों सहित बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। ताजियों के जुलूस में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरिता सिंह, उपाधीक्षक विनय चौधरी, कोतवाली थानाधिकारी भवानी सिंह, सदर थानाधिकारी निरंजप प्रताप सिंह सहित कई पुलिस अधिकारी अतिरिक्त जाप्ते के साथ विभिन्न स्थानों और पूरे रास्ते में तैनात रहे।

खाली दौड़ रही जयपुर से कैलादेवी एसी बस, समय बदले तो बढ़े यात्रीभार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

हिण्डौनसिटी। कैलादेवी के लिए जयपुर डीलक्स डिपो से संचालित एसी रोडवेज बस सेवा यात्रियों की कमी से जूझ रही है। पर्याप्त यात्री भार नहीं मिलने और लक्ष्य के मुताबिक आय नहीं होने बस संचालन घाटे का सौदा साबित हो रहा है। दरअसल राज्य की राजधानी से प्रदेश के आस्था धामों तक सुगम सफर के लिए रोडवेज ने 18 जून जयपुर-कैलादेवी के लिए एसी बस सेवा संचालित की हुई है। रोडवेज सूत्रों के अनुसार बस को निर्धारित लक्ष्य के मुताबिक यात्री भार नहीं मिल रहा है।

स्थिति यह है कि महवा से कैलादेवी के बीच बस में चंद यात्री ही नजर आते है। हालांकि लौटने में शाम को हिण्डौन से जयपुर के लिए यात्री मिलते हैं। बीते महीनों सपोटरा-जयपुर के बीच शुरू की गई रोडवेज की एसी बस को सपोटरा से गंगापुरसिटी मे यात्रियों के टोटे से जूझना पड़ रहा है। हालांकि गंगापुरसिटी से जयपुर तक का पर्याप्त यात्री भार मिल रहा है।

बस का समय बदले तो ज्यादा लाभ

रोडवेज की एसी बस सुबह जयपुर से चलकर दोपहर बाद कैलादेवी पहुंचती है। वहीं शाम को रवाना होकर रात में जयपुर ठहरती है। जबकि जिले से सुबह जयपुर के लिए यात्री भार निकलता है व शाम को वापसी होती है। आरएसआरटीसी रिटायर्ड एम्प्लाइज यूनियन के सचिव पूरण शर्मा ने बतााया कि एसी बस को शाम को जयपुर व सुबह कैलादेवी के संचालित किया जाए तो पर्याप्त यात्री भारी मिलेगा। सपोटरा-जयपुर एसी बस को सुबह संचालित करने से यात्री भार मिल रहा है।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड ☐☐☐☐☐☐

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक ☐☐☐☐☐☐ (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को किया जागरुक

" देश हो नशे से स्वतंत्र" का दिया संदेश

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। जिला प्रशासन व सामाजिक न्याय एवं अधीकारिता विभाग चित्तौड़गढ़ के उपनिदेशक जितेंद्र गढ़वाल के निर्देशानुसार गंगा विजन संस्थान द्वारा संचालित नशा मुक्ति केंद्र चित्तौड़गढ़ टीम व आरपीएफ द्वारा रेलवे स्टेशन चित्तौड़गढ़ के प्लेटफॉर्म न. 1 पर संयुक्त रूप से एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे टीम ने स्टेशन पर मौजूद यात्रियों को किसी भी प्रकार का नशा नही करने हेतु प्रेरित किया।

सामाजिक न्याय एवं अधीकारिता विभाग के उपनिदेशक जितेंद्र गढ़वाल ने बताया की गंगा विजन नशा मुक्ति केंद्र की टीम द्वारा मुख्य स्थानो, विद्यालयो, ग्रामपंचायतो व ग्रामीण इलाको में समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर नशा मुक्त के पोस्टर व पम्पलेट वितरित किये जा रहे है। जिससे लोगो में जागरूकता आएगी अगर कोई व्यक्ति या परिचित किसी भी प्रकार के नशे की समस्या से ग्रसित है तो आप उसे नशा मुक्ति केंद्र भिजवाकर उसका नशा छुडाने में मददगार होगे जिससे वह समाज में अच्छा जीवन यापन कर सके।

रेलवे सुरक्षा बल चित्तौड़गढ़ के इंस्पेक्टर ने बताया की ट्रेन बोगी में अगर कोई नशे से लिप्त है तो आप इसे अनदेखा ना करे तुरंत आरपीएफ से सम्पर्क कर सकते है जिसके अनुरूप उसे गंगा विजन नशा मुक्ति केंद्र पर भिजवाया जा सके।

गंगा विजन नशा मुक्ति केंद्र के प्रभारी कुलदीप सेन बताया कि रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को नशा नही करने का दिलाया। संकल्प साथ ही " देश हो नशे से स्वतंत्र" की थीम का दिया। नशे से कितने ही परिवार उजड़ चुके है एसे में हमें ये संकल्प करना चाइए की हम न तो स्वयं नशा करेंगे और न ही दुसरो को करने देगे। समाज में नशा एक बीमारी की तरह फेल रहा है जो युवा पीढ़ी इस नशे के दलदल में फंस कर बर्बाद हो रही है हम सबको इस नशे से मुक्त होना व नशे से पीडित को नशा न करने हेतु जागरूक करे व नशा मुक्ति केंद्र दाखिला कराने हेतु प्रेरित करे जहा पर उसका उचित देखभाल के साथ-साथ मनो. चिकित्सक द्वारा निशुल्क चिकित्सा सुविधा, अनुभवी परामर्शदाता द्वारा परामर्श सुविधा, रहना, खाना-पीना की सुविधा उपलब्ध हो केंद्र के देनिक क्रियाकलापों की विस्तार से जानकारी दी गई इस अभियान में रेलवे सुरक्षा बल नशा मुक्ति केंद्र टीम से नर्सिंग कर्मचारी सुरेंद्र यादव। काउंसलर प्रकाश, वार्ड बॉय कार्तिक देवड़ा योगशिक्षक चंद्र मोहन मोजूद रहे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

हमारी सरकार गरीब को गणेश मानकर कर रही सेवा-मुख्यमंत्री शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का चूरू दौरा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार जनकल्याण को समर्पित है और इसी भावना के तहत पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है जिसके माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गरीब, किसान, युवा एवं महिला इन चारों जातियों के उत्थान के लिए कार्य कर रही है तथा हम संकल्प पत्र में किए गए प्रत्येक वादे को पूरा करेंगे जिससे उत्कृष्ट और विकसित राजस्थान की परिकल्पना को गति मिलेगी। शर्मा चूरू में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाडे के तहत आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चूरू अपनी अनूठी स्थापत्य कला और प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। साथ ही, तालछापर अभयारण्य के काले हिरण और प्रवासी पक्षियों का कलरव प्रकृति प्रेमियों को एक अद्भुत अनुभव प्रदान करता है। यहां की कलात्मक हवेलियां, भित्तिचित्र और अन्य ऐतिहासिक धरोहर चूरू के समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास से रूबरू कराती हैं।

आमजन को एक ही स्थान पर मिल रहा विभिन्न योजनाओं का लाभ

शर्मा ने कहा कि इन शिविरों में रास?तों से अतिक्रमण हटाने, भूमि के स्वामित्व मिलने जैसे बरसों से लंबित काम पूरे हो रहे हैं। साथ ही, शिविरों के माध्यम से पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना के तहत 10 हजार गांवों में बीपीएल परिवारों का सर्वे कर उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों को पौध वितरण, मृदा नमूनों के संग्रहण और मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण, पशुपालकों को मंगला पशु बीमा, पशुओं की जांच, इलाज और टीकाकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य भी इन शिविरों में किए जा रहे हैं।

योजनाओं से अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति का हो रहा उत्थान

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व परिवर्तन आए हैं। उनके द्वारा शुरू की गई गरीब कल्याण की योजनाओं से अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति का उत्थान हो रहा है। साथ ही, उनके कुशल मार्गदर्शन में देश में अभूतपूर्व विकास कार्य के साथ-साथ आतंकवाद-नक्सलवाद का खात्मा हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की मंशानुसार सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास की अवधारणा पर राज्य सरकार कृतसंकल्पित होकर कार्य कर रही है।

महिला, युवा, किसान एवं गरीब के उत्थान के लिए हो रहा काम-

शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार को गरीब के हित से कोई सरोकार नहीं था जबकि हम गरीब को गणेश मानकर योजनाओं का क्रियान्वयन कर रहे हैं। किसानों को हमारी सरकार गोपाल क्रेडिट कार्ड, किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं से लाभान्वित कर रही है। वहीं, महिलाओं को लखपति दीदी योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाडो प्रोत्साहन योजना, मेधावी छात्राओं को साइकिल वितरण, कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना, मा वाउचर सहित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सशक्त किया जा रहा है। युवाओं को हम पांच साल में चार लाख सरकारी नौकरियां देंगे। उन्होंने कहा कि हमने शेखावाटी में यमुना जल लाने के लिए यमुना जल समझौते के लिए हरियाणा सरकार के साथ मिलकर टास्क फोर्स गठित की है।

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता स्व. दाऊलाल वैष्णव का निधन, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हुए अन्त्येष्टि में शामिल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को जोधपुर में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता स्व. दाऊलाल वैष्णव की अंत्येष्टि में शामिल हुए और शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री ने जोधपुर में मोक्षधाम पहुंच कर स्व. दाऊलाल वैष्णव की पार्थिव देह के अंतिम दर्शन किए और पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों को संबल प्रदान करने और इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति देने की ईश्वर से प्रार्थना की। स्व. दाऊलाल वैष्णव की अंतिम यात्रा में पाली सांसद पीपी चौधरी, राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, जालौर-सिरोही सांसद लुंबाराम चौधरी, विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, विधायक अतुल भंसाली, भैराराम सियोल सहित जनप्रतिनिधि, गणमान्यजन और आमजन शामिल हुए।

दिल्ली में पुराने वाहनों को ईंधन न देने का प्रतिबंध हटा, 1 नवम्बर तक राहत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। दिल्ली में 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल की गाड़ियों को 1 नवंबर तक के लिए राहत दी गई है। आज CAQM (commission for Air Quality Managment) की बैठक के बाद दिल्ली वालों को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली के लोगों को राहत देते हुए CAQM ने 1 नवंबर तक के लिए पुराने वाहनों को ईंधन ना देने की योजना को स्थगित कर दिया है। ये फैसला आज CAQM की बैठक में लिया गया।

जारी हुआ था ये नियम

CAQM के आदेश पर दिल्ली सरकार ने 1 जुलाई से End of Life गाड़ी यानी 10 साल पुराने डीजल और 15 साल से ज्यादा पुराने पेट्रोल वाहनों को दिल्ली में ईंधन देना बंद कर दिया था। साथ ही इन वाहन मालिकों पर दस हजार का जुर्माना भी लगाना शुरू कर दिया था। जिसे लोगों के विरोध के बाद दिल्ली सरकार को दो दिन बाद ही वापस लेना पड़ा था।

दिल्ली समेत इन 5 जिलों में 1 नवबंर के बाद होगा लागू

लेकिन CAQM ने अपने फैसले से इस योजना को फिलहाल स्थगित भर किया है। CAQM के मुताबिक, तेल बंदी की योजना अब 1 नवंबर 2025 को फिर से दिल्ली समेत गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद, सोनीपत और गौतमबुद्ध नगर में भी लागू होगी।

लोगों के बीच था विरोध

दिल्ली में पुरानी गाड़ियों को ईंधन ना देने का जब दिल्ली में विरोध होने लगा था। तब दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने CAQM को चिट्ठी लिखकर इस योजना को नवंबर तक टालने और अन्य शहरों के साथ लागू करने के लिए आग्रह किया था। दिल्ली सरकार ने CAQM को तर्क दिया कि मौजूदा प्रणाली में खामी है और यह फिलहाल व्यावहारिक और तर्क संगत नहीं है। जिसके बाद CAQM ने आज की बैठक में ये फैसला लिया है।

1 जुलाई 2025 को लागू हुआ था ये नियम

दिल्ली में पुरानी गाड़ियों (10 साल डीजल और 15 साल पेट्रोल) को जब्त करने का मामला वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए शुरू किया गया था। 1 जुलाई 2025 से लागू इस नीति के तहत पहले दिन 80 वाहन जब्त किए गए, जिनमें 67 दोपहिया थे। पेट्रोल पंपों पर ईंधन देने से रोक और सड़कों पर जब्ती के लिए दिल्ली पुलिस, ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग ने संयुक्त अभियान चलाया था।

प्रदूषण वाली गाड़ियों पर कार्रवाई

हालांकि, जनता के विरोध और राजनीतिक दबाव के बाद दिल्ली सरकार ने इस नीति पर रोक लगा दी थी। वहीं, अब जाकर मंगलवार को घोषणा की गई कि 1 नवंबर 2025 तक यह प्रतिबंध स्थगित है और अब केवल प्रदूषण फैलाने वाली गाड़ियों पर कार्रवाई होगी।

एबीवीपी जिला बिलाडा नगर इकाई पीपाड़ की कार्यकारिणी का गठन

प्रथम बार छात्रा रक्षा राजपुरोहित बनी नगर मंत्री

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बिलाड़ा की नगर इकाई पीपाड़ की बैठक आयोजित की गई, जोधपुर ग्रामीण विभाग संयोजक रावल जोशी का प्रवास रहा, रावल जोशी ने विधार्थी परिषद के बारे में जानकारी दी तथा साथ ही जिला प्रमुख संदीप कच्छवाह, जिला संयोजक अश्विन दाधीच ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए नवीन इकाई के कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दी तथा विद्यार्थी परिषद के मुख्य उद्देश्य को कार्यकर्ताओं के बीच रखा है और आगामी कार्यक्रम की चर्चा की साथ ही पूर्व नगर मंत्री मनीष सैनी ने मंत्री प्रतिवेदन दिया तथा इन चारों की मौजूदगी में नगर कार्यकारणी गठित की गई, जिसमे नगर अध्यक्ष जितेन्द्र चौहान, नगर उपाध्यक्ष गजेन्द्र सिंह राजपुरोहित, सुमेश शर्मा नगर मंत्री रक्षा राजपुरोहित को मनोनीत किया गया कार्यकारणी में नगर सह मंत्री जलज सैनी, रश्मि सैन, प्रवीण सैनी, मुस्कान, नगर एस एफ डी संयोजक भवानी सिंह, सह संयोजक मयंक सेन,नगर एस एफ एस संयोजक सुभाष चौधरी, सह संयोजक सानिया ज्यानी, नगर कला मंच संयोजक रेशमा देवड़ा, सह संयोजक दीपक विश्नोई, नगर खेल संयोजक मनसुख सिंह, सह संयोजक अक्षय चौधरी, नगर मीडिया संयोजक रामनिवास टाक, नगर सोशल मीडिया संयोजक अंशु भाटी, सह संयोजक गिरधारी को बनाया गया।सम्मेलन में पूर्व कार्यकर्ता भवानी सिंह कच्छावाह, सीताराम टाक, अतुल सिंह, किशन टाक, सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जननसंख्या नियंत्रण कानून लागू करने हेतु पर जेएसएफ का धरना 11 जुलाई को

जोधपुर @ जागरूक जनता। जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू करने हेतु जेएसएफ का एक दिवसीय धरना 11जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस पर देश भर में जिला मुख्यालयों पर जनसंख्या समाधान फाउंडेशन के कार्यकर्ताओं द्वारा जनसांख्यिकीय असंतुलन के कारण देश भर में संभावित गृहयुद्ध को रोकने के लिए भारतवर्ष में जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग को लेकर एक दिवसीय धरना दिया जाएगा। इसी कड़ी में जोधपुर कलेक्ट्रेट में भी जनसंख्या समाधान फाउंडेशन द्वारा एक दिवसीय धरना सुबह 10 बजे से 03 बजे तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें जिले के सभी प्रखंडों से सैकड़ों की संख्या में जनसंख्या समाधान फाउंडेशन के योद्धागण भाग लेंगे।

कृषक उत्पादकों के संगठनों को मंडी यार्ड में उपलब्ध करवाये जायेंगे प्लेटफॉर्म

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य में संचालित समस्त पंजीकृत कृषक उत्पादक संगठन, फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी, क्रय-विक्रय सहकारी समितियों, स्वयं सहायता समुहों और ग्राम सेवा सहकारी समितियों को उनके कृषि जिन्सों का उचित मूल्य दिलवाने और उत्पादक संगठनों को प्रोत्सहित करने के लिए राज्य की मंडी समितियों में कृषि जिन्सों में क्रय-विक्रय के लिए प्लेटफॉर्म पर स्थान उपलब्ध करवाए जा रहे है।

शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल के निर्देशानुसार कृषि विपणन विभाग द्वारा कृषक उत्पादक संगठनों को कृषि जिन्सों के क्रय-विक्रय हेतु राज्य के सभी मंडी यार्डों में प्लेटफॉर्म चिन्हित करने हेतु सभी मंडी सचिवों को निर्देशित किया गया है। जिससे कृषक उत्पादक संगठनों को अपने उत्पाद बेचने के लिए मंडी प्रांगण में एक निश्चित जगह मिल सकेगी और इससे संगठनों को प्रोत्साहित किया जा सकेगा। किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) एक प्रकार का उत्पादक संगठन होता है जिसके सदस्य किसान ही होते हैं। एफपीओ कई सेवाएं प्रदान कर छोटे किसानों को सहायता प्रदान करते हैं इनका लक्ष्य संशाधनों, ज्ञान और बाजारों तक बेहतर पहुंच प्रदान कर के छोटे किसानों की दक्षता और लाभप्रदता को बढ़ाना है।

अलवर से 2 दिल्ली और 2 जयपुर के लिए चलेंगी AC रोडवेज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अलवर। राजस्थान रोडवेज ने अपना बेड़ा बढ़ाने की तैयारी तेज कर दी है। पिछले दो बजट में खरीद और अनुबंध पर बसें लेने के लिए राज्य सरकार से सहयोग मिल रहा है। ऐसे में रोडवेज करीब 500 नई बसों की खरीद की जाएगी। इसकी प्रक्रिया चल रही है। अलवर के मत्स्य नगर डिपो को भी चार नई एसी बसें मिलने की उम्मीद है।

इनमें दो बसें दिल्ली और दो बसें जयपुर रूट पर चलाई जाएंगी। फिलहाल अलवर से किसी भी रूट पर एसी बसों का संचालन नहीं हो पा रहा है। गौरतलब है कि रोडवेज वर्ष 2024-25 के तहत 300 बसें अनुबंध पर लेने की तैयारी कर रहा है। इनमें 150 एक्सप्रेस बसें, 100 स्टार लाइन नॉन एसी 2 बाय 2 बसें होंगी। इसके अलावा 30 एसी 2 बाय 2 और 20 सुपर लग्जरी बसें अनुबंध पर ली जाएंगी। साथ ही 200 अन्य बसें भी अनुबंध पर ली जाएंगी।

इससे पहले भी जयपुर और दिल्ली रूट पर एसी बसों का संचालन किया गया था, लेकिन यात्रीभार नहीं मिलने की वजह से इन्हें बंद कर दिया गया। पिछले दिनों ही डीलक्स डिपो, जयपुर की ओर से दौसा, सिकंदरा होते हुए अलवर तक एसी बसें भेजी गई थी, लेकिन यह एक ही दिन चली। इसके बाद संचालन बंद कर दिया गया।

ई-बसों के लिए टेंडर जारी

राजस्थान रोडवेज डीजल बसों के साथ ही इलेक्ट्रिक बसें लेने की भी कवायद कर रहा है। रोडवेज प्रशासन ने 300 इलेक्ट्रिक बसें अनुबंध पर लेने के लिए टेंडर जारी कर दिया है। ऐसा पहली बार होगा जब रोडवेज के बेड़े में इलेक्ट्रिक बसें भी शामिल की जाएंगी। अलवर में बसों की संख्या तो बढ़ जाएगी, लेकिन संचालन में परेशानी होगी। रोडवेज के पास चालक-परिचालकों का टोटा है। रोडवेज प्रशासन ने सिविल डिफेंस से चालक-परिचालक लेने की कोशिश की थी, लेकिन कम लोग आए। कुछ ने ज्वाइन किया, लेकिन छोड़कर चले गए।

डिपो को 4 एसी बसें मिलने की उम्मीद है। इनमें दो जयपुर और दो दिल्ली रूट पर चलाई जाएंगी। मुख्यालय स्तर पर ही इन्हें अनुबंध पर लेने की प्रक्रिया चल रही है।
कुलदीप शर्मा, मुख्य प्रबंधक, मत्स्य नगर डिपो

अग्रवाल समाज की केंद्र से बड़ी मांग

जनगणना के प्रपत्र में जाति चुनने अग्रवाल का भी विकल हो उपलब्ध-मित्तल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोलकाता। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राज कुमार मित्तल ने जनगणना निदेशक को लिखा पत्र, कहा-

जरूरत पड़ी तो दिल्ली जाकर महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी करेंगे मुलाकात, प्रपत्र में क्यों होना चाहिए अग्रवाल जाती का उल्लेख,07 बिंदुओं पर रखे गए मजबूत तथ्य।

आगामी दिनों में पूरे देश भर में होने वाली जनगणना को लेकर जहां जोर-शोर से तैयारी चल रही है, तो वहीं सूत्रों की माने तो भारत में जनगणना प्रत्येक 10 सालों में एक बार होती है, तथा बीते साल 2011 में हुई जनगणना के बाद 2020-21 में जनगणना का कार्य होना था, किंतु भारत देश में कोरोना के संक्रमण काल के चलते यह जनगणना का कार्य नहीं हो पाया तथा अब फिर से 2025 में यह जनगणना का कार्य प्रारंभ होगा, ऐसा सूत्र बताते हैं, तथा इस जनगणना के कार्य में पूरे देश भर में अग्रवाल समाज ने भी जाति शब्द में अग्रवाल का विकल्प प्रपत्र में उपलब्ध होने को लेकर इसकी पुरजोर मांग की है, एवं अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार मित्तल कोलकाता ने कहा है कि यदि अग्रवाल समाज की इस मांग पर जरूरत पड़ेगी तो प्रतिनिधि मंडल दिल्ली जाकर भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी प्रत्यक्ष मुलाकात कर उन्हें इन सभी बातों से अवगत कराएगा।

अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा अपने पत्र क: 157/AAS/2025-26 दिनांक 03 जुलाई 2025 के माध्यम से भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, जनगणना भवन, 2-ए, मानसिंग मार्ग, नई दिल्ली-110011 को अग्रवाल जाति" को आगामी जनगणना / जातीय जनगणना में पृथक रूप से दर्ज करने हेतु वैधानिक मांग की गई है, एवम सन्दर्भ-भारत सरकार द्वारा आगामी जाति आधारित जनगणना की घोषणा को लेकर यह पत्र प्रेषित किया गया है, अंतरराष्टीय अग्रवाल सम्मेलन के अंतर्राष्टीय अध्यक्ष श्री राजकुमार मित्तल ने अपने पत्र में कहा है कि भारत सरकार द्वारा आगामी जाति आधारित जनगणना की घोषणा से स्पष्ट है, कि आगामी जनगणना प्रक्रिया में सामाजिक, आर्थिक स्थिति के साथ ही जाति की जानकारी एकत्र करने की योजना है, जो कि स्वागत योग्य है, किंतु अग्रवाल समाज द्वारा आपसे निम्मन मांग की जा रही है ।

01- अग्रवंश के इतिहास की सक्षिप्त जानकारी अनुसार महाराजा वल्लभ के घर, द्वापर के अंतिम काल और कलियुग के प्रारंभ में महाराजा श्री अग्रसेन जी का जन्म हुआ था. महाराजा श्री अग्रसेन जी ने आग्रेय राज्य (वर्तमान अग्रोहा) की स्थापना की और अपने राज्य में "एक रुपया एक ईंट जैसे समानता, समाजवाद, अंहिसा, सहकारिता, सहयोग एवं वसुधैव कुटुम्बकम् जैसे आदशों को अपनाकर एक ऐसी पद्धति को जन्म दिया, जो शताब्दियां व्यतीत हो जाने पर आज भी अपनी श्रेष्ठता के कारण जानी जाती है.

02- देश विदेश में फैले सम्पूर्ण अग्रवाल जाति के लोग अनुमानित जनसंख्या लगभग चार करोड़, महाराजा श्री अग्रसेन जी को अपना पितृ-पुरुष मानते हैं. महाराजा श्री अग्रसेन जी ने अपने 18 पुत्रों के नाम पर, अग्रवाल कुल परम्पराओं के श्रेष्ठ निर्वहन के लिये 18 गोत्र आधारित अग्रवाल समाज की संरचना की यथा बंसल, गोयल, गर्ग, जिंदल, कंसल, मित्तल, सिंघल, बिंदल तायल, धारण, ऐरन, मधुकुल, गोयन, मंगल, नांगल, भंदल, कुच्छल एवं तिंगल

03- समस्त अग्रवाल महाराजा श्री अग्रसेन जी के वंशज होने से "अग्रवाल-जाति तथा परंपरागत रुप से व्यापार, व्यवसाय, वाणिज्य में संलग्न होने से "वैश्य-वर्ण" के अंतर्गत आते हैं। इसीलिए पूर्व की जनगणनाओं में "अग्रवाल" समाज को "वैश्य", "बनिया" या "मारवाड़ी" श्रेणियों में प्रदर्शित किया जाता रहा है, जिससे इस समाज की स्वतंत्र जातीय पहचान दबी रह गयी है। परिणाम स्वरुप, न तो अग्रवाल समाज की वास्तविक जनसंख्या और न ही उनकी आर्थिक, सामाजिक व शैक्षणिक स्थिति का समुचित आंकलन संभव हो पाया है।

04- भारत का संविधान सभी नागरिकों को समानता का अधिकार प्रदान करता है। अन्य जातियों की भांति अग्रवाल समाज को भी सांख्यिकीय रुप से स्वतंत्र पहचान दिया जाना संवैधानिक न्याय के अनुरुप है। सरकार द्वारा पूर्व में जातीय डेटा संग्रह की योजना बनाना, यह प्रमाणित करता है कि जातीय पहचान को औपचारिक मान्यता दी जा रही है।

05- वर्तमान प्रशासनिक मान्यता महाराजा अग्रसेन के नाम पर राष्ट्रीय राजमार्ग, जलपोत, हवाई अड्डा व डाक टिकट आदि भारत सरकार द्वारा नामित किये गये हैं, जो अग्रसेन वंशजों (अग्रवाल जाति) की राष्ट्र स्तरीय पहचान को पुष्ट करते हैं।

06- "अग्रवाल" जाति के अस्तित्व को बचाए रखने के लिए हमारी संस्था समस्त अग्रवाल बंधुओं की ओर से आग्रह पूर्वक पुरजोर मांग करती है, कि जनगणना प्रपत्रों में अग्रवाल जाति के लोगों को अपनी जातीय पहचानअग्रवाल" (अग्रवाल) के रूप में दर्ज करने का स्पष्ट और पृथक विकल्प प्रदान किया जाए, ताकि अग्रवाल समाज की वास्तविक जनसंख्या का निर्धारण हो सके। समाज की आर्थिक, सामाजिक व शैक्षणिक स्थिति के आँकड़े स्वतंत्र रूप से उपलब्ध हो सकें। समाज के लिए आवश्यक नीतिगत योजनाएं एवं सहायता कार्यक्रम तैयार हो सकें।

07- निष्कर्षतः यह मांग केवल एक सामाजिक पहचान की नहीं, बल्कि जनगणना जैसे संवैधानिक प्रक्रिया में समान प्रतिनिधित्व और समुचित स्थान की मांग है। अतः हम भारत सरकार एवं आपके कार्यालय से निम्नलिखित मांग करते हैं, की आगामी जनगणना के प्रपत्र में "अग्रवाल" जाति को पृथक रूप में सम्मिलित किया जाये, एवम नागरिकों को जाति दर्ज करते समय "अग्रवाल" विकल्प चुनने का स्पष्ट अधिकार दिया जाए, सांख्यिकीय विश्लेषण में अग्रवाल समाज के आंकड़ों को स्वतंत्र श्रेणी में दर्शाया जाए, इस विषय में की गई प्रशासनिक कार्यवाही से हमें अवगत कराया जाए

अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा प्रेषित उपरोक्त पत्र की प्रतिलिपि द्रौपदी मुर्मू जी, भारत की महामहिम राष्ट्रपति, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली-1100012, नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री, भारत सरकार, प्रधानमंत्री कार्यालय, नई दिल्ली 110011, अमित शाह, गृहमंत्री, भारत सरकार, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली - 110001, ओम बिरला जी, लोकसभा अध्यक्ष, संसद भवन, नई दिल्ली -110001, रेखा गुप्ता 5 दिल्ली मुख्यमंत्री, दिल्ली सचिवालय, आईपी इस्टेट, नई दिल्ली 1100016 को भी प्रेषित की गई है।

जनगणना 2026: वेब पोर्टल के जरिए खुद गणना कर सकेंगे नागरिक, एंड्राइड-आईफोन के लिए बनेंगे एप

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। साल 2026 और 2027 में होने वाली जनगणना के लिए सरकार ने वेब पोर्टल और मोबाइल एप की मदद लेने का फैसला किया है। इन प्लेटफॉर्म के जरिए नागरिक खुद अपनी जानकारी सरकार तक पहुंचा सकेंगे। इस सुविधा से लोग खुद अपनी गणना कर सकेंगे। इससे जनगणना की प्रक्रिया तेज होगी। यह वेब पोर्टल राष्ट्रीय जनगणना के दोनों चरण के लिए उपलब्ध होगा। अधिकारियों ने बताया कि देश की पहली डिजिटल जनगणना में सरकार के प्रतिनिधि एंड्रॉयड और एप्पल मोबाइल फोन पर एप का इस्तेमाल कर नागरिकों के आंकड़े एकत्र करेंगे। यह देश में पहली बार होगा, जब नागरिकों को एक विशेष वेब पोर्टल के जरिए खुद जानकारी भरने का मौका मिलेगा। यह पोर्टल जनगणना के दोनों चरण- मकान सूचीकरण और आवास जनगणना (एचएलओ) और जनसंख्या गणना के लिए उपलब्ध होगा। एक अधिकारी ने बताया, "डिजिटल जनगणना पहल जनगणना प्रक्रिया को आधुनिक बनाने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है। पहली बार, डेटा एकत्र करने और इसे केंद्रीय सर्वर पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से भेजने के लिए डिजिटल तकनीकि का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे जनगणना डेटा जल्दी एकत्र किया जा सकेगा।"

सर्वर की सुरक्षा के लिए कड़े उपाय

जनगणना में डिजिटल रूप से डेटा जुटाने, डेटा ट्रांसफर करने और सुरक्षित तरीके से स्टोर के लिए बहुत कड़े डेटा सुरक्षा उपाय लागू किए जाएंगे। एचएलओ एक अप्रैल, 2026 से शुरू होगी और दूसरे चरण की प्रक्रिया 1 फरवरी, 2027 से शुरू होगी, जिसमें जनसंख्या गणना की जाएगी। जनगणना में घर के सदस्यों की जातियों की गणना की जाएगी। जनगणना 2027 की शुरुआत केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड के बर्फ से ढके दुर्गम क्षेत्रों के लिए एक अक्टूबर, 2026 को रात 12 बजे शुरू होगी। वहीं, मैदानी इलाकों में इसकी शुरुआत एक मार्च, 2027 को रात 12 बजे से होगी।

34 लाख लोगों की होगी ट्रेनिंग

देश में जनगणना की शुरुआत के बाद से यह 16वीं और स्वतंत्रता के बाद आठवीं जनगणना होगी। इसके लिए 16 जून को अधिसूचना जारी की गई थी। भारत के महापंजीयक ने राष्ट्रीय प्रशिक्षक, मास्टर प्रशिक्षक और फील्ड प्रशिक्षक के लिए तीन स्तर के केंद्रित और आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण की व्यवस्था की है। इस व्यापक कवायद के लिए फील्ड प्रशिक्षक लगभग 34 लाख गणनाकर्ताओं और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे। 31 दिसंबर तक हुए बदलावों को जनगणना के लिए अंतिम माना जाएगा।

1 फरवरी 2027 से शुरू होगी जनगणना: सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को लिखे पत्र में भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने कहा था कि जनगणना के लिए सभी गांवों और नगरों को एक समान गणना ब्लॉकों में विभाजित किया जाता है और प्रत्येक ब्लॉक के लिए एक गणनाकार नियुक्त किया जाता है। ऐसा इसलिए कहा जाता है, ताकि जनसंख्या गणना के दौरान किसी भी चूक या दोहराव से बचा जा सके।

डूंगला में निर्माणाधीन मंदिर के पिलर गिराने से तनाव, हिन्दू संगठनों में फैला आक्रोश

बस स्टैंड मार्ग पर जाम, ठेले-कारेट जलाए, पुलिस ने किया हल्का बल प्रयोग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। जिले के डूंगला कस्बे में सोमवार देर रात असामाजिक तत्वों द्वारा एक निर्माणाधीन शिव मंदिर को नुकसान पहुंचाने की घटना सामने आने के बाद मंगलवार सुबह कस्बे में तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर एकत्रित हो गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। घटना डूंगला के भानाखेड़ी मार्ग स्थित निर्माणाधीन शिव मंदिर में हुई, जहां रात के अंधेरे में अज्ञात व्यक्तियों ने तोड़फोड़ कर मंदिर को ध्वस्त कर दिया। मंगलवार सुबह जब यह दृश्य सामने आया तो लोगों में आक्रोश फैल गया। विरोधस्वरूप नागरिकों ने डूंगला बस स्टैंड मार्ग को अवरुद्ध कर दिया और टायरों के साथ-साथ ठेले और सब्जियों के कैरेटों को भी आग के हवाले कर दिया। स्थिति को नियंत्रण में लेने के लिए मौके पर डूंगला थाना पुलिस बड़ीसादड़ी डीएसपी देशराज कुलदीप मौके पर पहुंचे, साथ ही मुख्यालय से अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया। प्रदर्शन के दौरान कुछ देर के लिए पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प भी हुई, जिसके बाद पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला कलेक्टर आलोक रंजन और अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और आक्रोशित लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। अधिकारियों ने जल्द कार्रवाई और दोषियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया, जिसके बाद धीरे-धीरे माहौल शांत हुआ। घटना के विरोध में कस्बे के व्यापारियों ने बाजार बंद रखकर अपना रोष जताया। स्थानीय प्रशासन ने पूरे कस्बे में सतर्कता बढ़ा दी है और संवेदनशील इलाकों में पुलिस की तैनाती की गई है।

"मामले की जांच प्राथमिकता से की जा रही है। कुछ संदिग्धों को राउंडअप किया गया है और पूछताछ जारी है। पूरे कस्बे में सतर्कता रखी जा रही है और पुलिस की तैनाती बढ़ाई गई है। हालात पर प्रशासन की पूरी नजर है।"
– ईश्वरलाल, उपखंड अधिकारी, डूंगला

प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि शांति बनाए रखें, किसी भी तरह की अफवाह से बचें और जांच में सहयोग करें। दोषियों को शीघ्र ही पकड़कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।